mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-02 अंक-176 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़
27 जून 2026 शनिवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

: ब्रीफ बॉक्स :

दावा-केतन को धक्का देने के बाद सिया मदद को चिल्लाई

मां बोलीं- बेटी अगर दोषी तो उसे भी किले से नीचे फेंक दो

पुणे,एजेंसी। पुणे में मंगतेर केतन अग्रवाल मर्डर केस में नया खुलासा हुआ है। केतन को जिस लोहगढ़ किले से धक्का दिया गया था, वहां के गार्ड ने बताया कि उसने सिया के चिल्लाने की आवाज सुनी थी। गार्ड धीरज जाधव के मुताबिक, चीख-पुकार सुनकर वह मौके पर पहुंचे तो मुख्य आरोपी और केतन की मंगेतर सिया गोयल मदद के लिए चिल्ला रहे थे। मैंने सिया गोयल से पूछा क्या हुआ, तो उसने कहा कि यहां से कोई गिर गया है। इसके बाद मैंने तुरंत पुलिस को सूचना दी।

उधर सिया गोयल की मां पूजा गोयल ने कहा, 'इस मामले में कोई भी दोषी है तो उसे सबसे कड़ी सजा मिलनी चाहिए। अगर मेरी बेटी दोषी है, तो उसे भी उसी जगह से नीचे फेंक देना चाहिए, जहां से केतन को धक्का दिया गया था।'

जयपुर में जैश की संदिग्ध महिला स्लीपर सेल गिरफ्तार

पाकिस्तानी आतंकी से किया था ऑनलाइन निकाह

जयपुर,एजेंसी। जयपुर में पिछले दिनों गिरफ्तार पाकिस्तानी आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद की महिला स्लीपर सेल बबीता उर्फ खदिजा (38) ने पाकिस्तानी आतंकी हैंडलर अबू उबेदाह से इंटरनेट मीडिया पर निकाह किया था।

अबू प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के सरगना मसूद अजहर का करीबी माना जाता है। सूत्रों के अनुसार, बबीता ने पूछताछ में स्वीकार किया कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद उसने इंटरनेट मीडिया पर पाकिस्तानी आतंकियों के बारे में पढ़ना शुरू किया था। जैश के हैंडलर्स के संपर्क में आने पर उन्होंने बबीता का ब्रेन वाश किया, जिसके बाद उसने पाकिस्तानी मौलवी से आनलाइन कलमा पढ़ना सीखा।

बबीता ने धर्म परिवर्तन भी किया और अपना नाम बदलकर खदिजा रख लिया। उसने आतंकी हैंडलर अबू उबेदाह से आनलाइन निकाह भी कर लिया। बबीता पाकिस्तान जाकर अबू उबेदाह के साथ रहना चाहती थी।

एटीएस के पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी का कहना है कि आरोपित मोबाइल पर वाट्सएप सहित अन्य इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म के जरिए आतंकी संगठनों से जुड़ी थी। पूछताछ और जांच में सामने आया कि वह जैश-ए-मोहम्मद के संपर्क में थी। इस मामले में दर्ज रिपोर्ट में कहा गया है कि पाक हैंडलर्स ने बबीता को सऊदी अरब अथवा संयुक्त अरब अमीरात के रास्ते पाकिस्तान पहुंचने की सलाह दी थी। इसके लिए वह पासपोर्ट बनवाने का प्रयास कर रही थी।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी

ट्रस्ट महासचिव चंपत राय का इस्तीफा

ट्रस्टी अनिल मिश्रा की छुट्टी; चंपत के ड्राइवर टिन्नू समेत 8 गिरफ्तार

अयोध्या,एजेंसी। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास को सौंपा दिया। ट्रस्टी डॉक्टर अनिल मिश्रा ने भी इस्तीफा दे दिया।

ट्रस्टी नृपेंद्र मिश्रा ने बताया- चंपत राय और अनिल मिश्रा के इस्तीफे की सूचना मुझे मिली है।

इससे पहले, चंपत राय के करीबी रमाशंकर यादव उर्फ टिन्नू समेत 8 आरोपियों को गुरुवार देर रात गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस आज सभी आरोपियों को कोर्ट में पेश करेगी। 14 दिनों की रिमांड मांगेगी। दरअसल, गुरुवार देर शाम ट्रस्ट के सदस्य कृष्ण मोहन की शिकायत पर पहली FIR दर्ज की गई। हालांकि, स्वढ्ढक्र में चंपत राय, डॉ. अनिल मिश्रा समेत अन्य बड़े पदाधिकारियों के नाम नहीं हैं। चोरी का मामला पहली बार 7 जून को सामने आया। यूपी सरकार ने 13 जून को SIT बनाई। SIT ने 23 जून को एडिशनल चीफ सेक्रेटरी (गृह) संजय प्रसाद को प्रारंभिक रिपोर्ट सौंपी।

मामले में शिवसेना उद्धव गुट की एंट्री हो गई है। राज्यसभा सांसद संजय राउत ने शुक्रवार को 'एक्स' पर पूछा- राम मंदिर के लिए उद्धव ने 1 करोड़ रुपए और 4 किलो चांदी की ईंट दान की थी। इतने सालों बाद भी ट्रस्ट की ओर से रसीद नहीं मिली है। आखिर ईंट कहां गई? अब जवाबदेही तय करने का समय आ गया है! वहीं, दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को रामलला के दर्शन किए। कहा- जिन्होंने महापाप किया, उन्हें कड़ी सजा मिले। स्वढ्ढक्र दिखावा है। बड़े लोगों को बचाने की कोशिश की जा रही है।

योगी बोले- दूध का दूध और पानी का पानी करके रहेंगे

योगी बोले- एसआईटी की रिपोर्ट आते ही कार्रवाई शुरू हो गई। दूध का दूध पानी का पानी करके रहेंगे। जन आस्था के साथ खिलवाड़ नहीं होने देंगे। किसी को छूट नहीं मिलेगी। जो लोग आक्षेप लगा रहे हैं, ये वो लोग हैं जो भगवान राम को नकार चुके थे, कहते थे राम हुए ही नहीं, अयोध्या को भी नकारना चाहते थे। कोर्ट तक पहुंचे, वकीलों की फौज खड़ी कर दी। योगी ने कहा- दूसरा पक्ष वह जो राम का नाम लेने पर भक्तों पर गोली, लाठी चलाते थे। आज कहते हैं कि आस्था के साथ खिलवाड़ हुआ। ये रामनवमी पर दंगा करवाते थे, श्रीकृष्ण जन्मोत्सव बैन करते थे, कांवड़ यात्रा नहीं निकलने देते थे, दुर्गा पूजा पर दंगा करवाते थे.. ये कहते हैं आस्था के साथ खिलवाड़ हुआ। जिनके काले कारनामों का चिट्ठा खुलता है। कांग्रेस ने देश को लूटा नहीं नोंचा था।

योगी का केजरीवाल पर तंज- दिल्ली से एक सज्जन अयोध्या आए हैं आज: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा- दिल्ली से भी एक सज्जन अयोध्या आए हैं आज। मैं उनसे भी कहना चाहूंगा कि दिल्ली की जनता ने उन्हें कई वर्षों तक अवसर दिया, लेकिन उन्होंने दिल्ली को भ्रष्टाचार के अलावा कुछ नहीं दिया। अगर यही न्याय जो अयोध्या के साथ डबल इंजन की भाजपा सरकार ने किया है, आम आदमी पार्टी दिल्ली के साथ करती तो दिल्ली भी ऐसे ही चमकती जैसे अयोध्या धाम चमक रहा है।

ऑपरेशन सिंदूर के 6 शहीदों के नाम सार्वजनिक

नेशनल वॉर मेमोरियल की 'रोल ऑफ ऑनर' लिस्ट में शामिल

नई दिल्ली,एजेंसी। ऑपरेशन सिंदूर में शहीद होने वाले 6 जांबाज सैनिकों के नाम पहली बार जारी हुए हैं। इन नामों का उल्लेख राष्ट्रीय युद्ध स्मारक की वेबसाइट पर किया गया है. इस वेबसाइट पर भारत उन सभी शहीदों के नामों का उल्लेख है, जिन्होंने भारत के लिए किसी भी युद्ध या फिर ऑपरेशन में हिस्सा लिया था। अब इसी वेबसाइट पर उन नामों का उल्लेख हुआ है, जो दुश्मन देश पाकिस्तान से लोहा लेते हुए शहीद हो गए। इन नामों में सूबेदार मेजर पवन कुमार, रायफलमैन सुनील कुमार, लांसनायक दिनेश कुमार, एवी मूद मुरलीनायक, हवलदार सुनील कुमार सिंह और सुरेंद्र कुमार शामिल हैं। इन सभी नामों का जिक्र नेशनल वॉर मेमोरियल की वेबसाइट के रोल ऑफ ऑनर सेक्शन में हुआ है। यहां पर कुल 26,626 शहीदों के नाम दिए गए हैं। इन शहीदों में 1947-48 में पाकिस्तान के साथ हुई जंग से लेकर ऑपरेशन सिंदूर तक में शामिल रहे सैनिकों के नाम शामिल हैं।

कोलकाता-जयपुर में तेज बारिश, सड़कें डूबीं

अस्पताल-दुकानों में पानी भरा, म.प्र. में इंदौर के 15 टूरिस्ट प्लेस बंद, यूपी-बिहार में हीटवेव

नई दिल्ली/ भोपाल / जयपुर/ लखनऊ, एजेंसी। राजस्थान में मानसून के इंतजार के बीच गुरुवार को जयपुर में तेज बारिश हुई। करीब आधे घंटे में हुई 50एमएम बारिश से सड़कें डूब गईं। कई वाहन पानी की वजह से बंद हो गए। कई दुकानों-मकानों में भी पानी भर गया।

कोलकाता में भी कुछ ऐसा ही हाल रहा। दोपहर में करीब एक घंटे की बारिश से शहर की मुख्य सड़कों पर एक फीट तक पानी भर गया। कोलकाता के स्प्यिरू अस्पताल के अंदर तक पानी घुस गया। इससे मरीज और उनकी देखभाल करने वाले लोगों को काफी परेशानी हुई।

बारिश से हादसों की आशंका को देखते हुए मध्य प्रदेश के इंदौर में 15 पर्यटन स्थलों में 22 अगस्त तक एंट्री बंद कर दी गई है। राज्य के शाजापुर में गुरुवार को बिजली गिरने से एक बुजुर्ग की मौत हो गई। मौसम विभाग ने कहा है कि अगले 2 से 4 दिनों में मानसून पूरे राज्य को कवर कर सकता है।

इधर, यूपी में मानसून 8 दिन लेट है। यह आमतौर पर 20 जून तक आ जाता है लेकिन इस बार 15 दिनों से बिहार बॉर्डर पर रुका है। राज्य के 8 जिलों में गुरुवार को हीटवेव के हालात रहे। बिहार के 13 जिलों में तेज धूप के साथ गर्म हवा चली।

रामगढ़ में ट्रक-पिकअप में टक्कर, 8 लोगों की मौत

● गाड़ी में फंसी लाश, सड़क पर बिखरे बैंड-बाजे ● ताशा पार्टी से जुड़े थे सभी

रामगढ़ (झारखंड), एजेंसी। झारखंड के रामगढ़ जिले में गुरुवार देर रात हुए सड़क हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई। एक्सीडेंट रजरप्पा थाना क्षेत्र के लारी-बरलौंग के पास रामगढ़-बोकारो मुख्य मार्ग (एनएच-23) पर हुआ। कोयला लदे एक ट्रक ने पिकअप को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद पिकअप के परखच्चे उड़ गए। उसमें सवार सभी लोग बैंड-ताशा पार्टी से जुड़े थे, उनके सामान बैंड-बाजे सड़क पर बिखर गए।

हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल रहा, जबकि ट्रक को मौके पर छोड़ ड्राइवर भाग निकला। घटनास्थल पर सात लोगों की मौत हुई। वहीं, गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति को रांची रेफर किया गया, जिसने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

पिकअप में 8 लोग सवार थे: मृतक सभी लोग बैंड-ताशा पार्टी से जुड़े हैं। जानकारी के अनुसार, पिकअप में 8 लोग सवार थे, जो रामगढ़ से मारगामरचा आए थे। यहां से उन्हें फिर बलसगरा जाना था और अपने कुछ अन्य साथियों को लेकर बिहार में एक कार्यक्रम शामिल होना था।

इसी दौरान, सामने से आ रहे तेज रफ्तार कोयला लदे ट्रक ने ओवरटेक करने के प्रयास में सवारी वाहन को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि मौके पर ही 7 लोगों की मौत हो गई। एक ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मैं भागता हुआ मौके पर पहुंचा तो दिखा कि सवारी गाड़ी में बैठे ताशा पार्टी के सदस्य बुरी तरह से घायल थे। कुछ लहुलूहान हालत में पानी मांग रहे थे। आठ लोग गाड़ी में बुरी तरह से फंसे हुए थे।

लोग एक-दूसरे पर चढ़ गए थे: चश्मदीद... हादसे को सबसे पहले स्थानीय तबरेज आलम ने देखा। वो मुहर्रम जुलूस देखकर अपने घर लौट रहे थे। तबरेज ने बताया, रात में अचानक जोरदार आवाज आई। पीछे मुड़कर देखा तो ट्रक ने पिकअप को जोरदार टक्कर मारी थी।

एलपीजी टैंकर टोल से टकराया धमाके के बाद आग लगी

ड्राइवर जिंदा जला, 16 बाइकें और 2 कारें जलकर राख

कौशांबी,एजेंसी। यूपी के कौशांबी में शुक्रवार सुबह करीब 6 बजे एक LPG टैंकर बेकाबू होकर टोल प्लाजा से टकरा गया। टक्कर के बाद तेज धमाका हुआ और टैंकर में आग लग गई। हादसे में टैंकर चालक की जिंदा जलकर मौत हो गई। उसका शव पूरी तरह जल गया और कंकाल का कुछ हिस्सा ही बरामद हो सका। वहीं, पांच टोल कर्मचारी भी झुलस गए। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने करीब 30 मिनट की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक टैंकर पूरी तरह जल चुका था। टोल प्लाजा के यार्ड में खड़ी 16 बाइकें और दो कारें भी आग की चपेट में आकर जल गईं। आग बुझने के बाद जब टीम टैंकर के अंदर पहुंची तो चालक की हड्डियां मिलीं। इससे पहले सूचना मिली थी कि चालक टैंकर से कूदकर अपनी जान बचाने में सफल हो गया है।

हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी और चीख-पुकार मच गई। आग की ऊंची लपटों को देखकर टोल प्लाजा के दोनों ओर बसों और कारों की लंबी कतारें लग गईं। करीब 2 किलोमीटर दूर से धुएं का गुबार और आग की लपटें दिखाई दे रही थीं। यह हादसा जिला मुख्यालय से करीब 16 किलोमीटर दूर कोखराज थाना क्षेत्र के सिहोरी टोल प्लाजा पर हुआ।

टोल प्लाजा के यार्ड में खड़ी 16 बाइकें और 2 कारें जलीं: टोल कर्मचारी संजय निर्मल ने बताया- हादसे से 10 मिनट हल्की-फुल्की बारिश हुई थी।

ड्रग माफियाओं पर बड़ा प्रहार

अमित शाह ने जारी किया नया रोडमैप, बोले- ड्रग्स बड़ी चुनौती, हमने छेड़ी जंग

नई दिल्ली,एजेंसी। देश में नशीले पदार्थों के कारोबार के खिलाफ केंद्र सरकार अपनी कार्रवाई को और तेज करने जा रही है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शुक्रवार को नारको-कोऑर्डिनेशन सेंटर (एनसीओआरडी) की 10वीं शीर्ष-स्तरीय बैठक की की। इस दौरान उन्होंने 'नारकोटिक्स कंट्रोल विजन डॉक्यूमेंट 2026-2029' जारी किया। इससे देश को ड्रग्स मुक्त बनाने के लिए अगले तीन

वर्षों का रोडमैप तय किया गया। बैठक में केंद्र और राज्य सरकारों के साथ विभिन्न जांच एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल रहे।

गृह मंत्रालय और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की ओर से आयोजित इस बैठक का मुख्य उद्देश्य देशभर में ड्रग तस्करी और नशीले पदार्थों के दुरुपयोग के खिलाफ चल रहे अभियानों की समीक्षा करना और उन्हें और मजबूत बनाना है। बैठक में विभिन्न मंत्रालयों, राज्य सरकारों और ड्रग कानून लागू करने वाली एजेंसियों के प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। सरकार का कहना है कि ड्रग्स के खिलाफ जीरो-टॉलरेंस नीति को और प्रभावी बनाने के लिए सभी एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है। विजन डॉक्यूमेंट में नई चुनौतियों से निपटने की रणनीति भी शामिल की गई है। इनमें सिंथेटिक ड्रग्स का बढ़ता इस्तेमाल और डार्कनेट के जरिए हो रही ड्रग तस्करी प्रमुख हैं। इसके अलावा, नशे से प्रभावित लोगों के लिए जागरूकता अभियान, इलाज की सुविधाएं और पुनर्वास सेवाओं को मजबूत करने के लिए एक व्यापक ढांचा तैयार किया गया है।

छह हजार करोड़ रुपये के नशीले पदार्थ क्यों नष्ट किए जाएंगे?

गृह मंत्री ने इस दौरान 'ऑनलाइन ड्रग डिस्पोजल फोर्टनाइट कैंपेन' की भी शुरुआत की। इस अभियान के तहत देशभर में जब्त किए गए लगभग 2,09,500 किलोग्राम नशीले पदार्थों को कानूनी प्रक्रिया के तहत नष्ट किया। इन नशीले पदार्थों की अनुमानित कीमत करीब 6,000 करोड़ रुपये बताई गई है। सरकार का मानना है कि यह अभियान ड्रग तस्करी के नेटवर्क को कमजोर करने में अहम भूमिका निभाएगा।

वेनेजुएला भूकंप में अब तक 235 की मौत: 4300 से ज्यादा घायल

» सरकार बोली- 39,000 लोग लापता, मलबे के नीचे से आवाजें आ रहीं

कराकस, वेनेजुएला,एजेंसी। दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला में आए दो भूकंप में अब तक 235 लोगों की मौत की पुष्टि हो गई है। जबकि 4300 से ज्यादा लोग घायल हैं। वेनेजुएला में बुधवार यानी 25 जून को साल 1821 के काराबोबो युद्ध की याद में राष्ट्रीय अवकाश था। इसलिए ज्यादातर लोग घरों में थे और फीफा वर्ल्ड कप मैच देख रहे थे। इससे मलबे में दबने वालों की संख्या ज्यादा होने की आशंका है।

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मलबे के अंदर से आवाजें आ रहीं हैं। सरकार ने देर रात बताया कि 39 हजार से ज्यादा लोग लापता हैं। भूकंप की भयावहता की असल तस्वीर अभी आना बाकी है। अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक भूकंप से 10 हजार से ज्यादा लोगों के मारे जाने की 44% आशंका है। वहीं, एक लाख लोगों के जान गंवाने की 30% आशंका है।

इस आपदा से वेनेजुएला की अर्थव्यवस्था को 9.5 लाख करोड़ रुपए के नुकसान हो सकता है। कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज ने आपातकाल लगा दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रोड्रिग्ज से बात कर मदद की पेशकश की है।

वर्ल्ड सेंट्रल किचन ने भूकंप प्रभावितों तक गर्म खाना पहुंचाया: वेनेजुएला में भूकंप से प्रभावित तटीय शहर बोका डे आरोआ में राहत कार्य जारी हैं। राहत संस्था वर्ल्ड सेंट्रल किचन ने बताया कि उसके पार्टनर रेस्तरां ने प्रभावित लोगों तक गर्म भोजन पहुंचाया है। संस्था ने सोशल मीडिया पर कहा कि भूकंप के बाद शहर में बिजली आपूर्ति बंद है और कई घर ढह गए हैं। बोका डे आरोआ राजधानी कराकस से करीब 220 किलोमीटर पश्चिम में स्थित है।

मृत्युभोज में घी के मालपुए नहीं बनवाने पर हुक्का-पानी बंद

» 43 परिवारों को दुकानों से राशन नहीं मिल रहा, कुएं से पानी नहीं दे रहे

सिरोही,एजेंसी। आर्थिक तंगी की मार झेल रहे परिवार ने मृत्युभोज में 'घी के मालपुए' नहीं बनवाए। सादा खाना खिलाया। इससे समाज के लोग इतने नाराज हुए कि इनका हुक्का-पानी बंद करने का फरमान सुना दिया। इस गरीब परिवार का समर्थन करने वाले 42 अन्य परिवारों पर भी यही तुगलकी फरमान लागू किया गया। अब परिवारों को न दुकानदार राशन दे रहा है, न ही कुएं से पानी नहीं भरने दिया जा रहा है। पंचों की बंदिशें यहीं नहीं रुकीं। पीड़ित परिवारों के घरों में मेहमानों के आने और उनके किसी रिश्तेदारी में जाने पर भी पूरी तरह रोक लगा दी गई है।

पंचों के फरमान की अनदेखी करने पर 11 हजार रुपए और पूरे समाज को सामूहिक भोजन (जीमण) का दंड भुगतना होगा। यह पूरा मामला सिरोही के बरलूट थाना इलाके के मंडवारिया गांव का है। पीड़ित परिवारों ने अब जिला कलेक्टर से शिकायत की है।

सादा भोजन नागवार गुजरा, पंचों ने समाज से बाहर किया: पीड़ित परिवारों ने बताया कि गांव में 5 जून को सदाराम पुत्र बलवाजी का निधन हो गया था। 17 जून को हुए मृत्युभोज में परिवार की माली हालत ठीक न होने के कारण घी के मालपुआ नहीं बनाए जा सके। बेहद सादा भोजन कराया गया। इस बात से समाज के एक दर्जन से अधिक पंच इस कदर नाराज हुए कि उन्होंने अगले ही दिन 18 जून को फरमान सुनाकर इस परिवार सहित कुल 43 समर्थक परिवारों को समाज से बाहर कर दिया।

जीना हुआ दूभर, बच्चे भूखे सोने को मजबूर: बहिष्कार की मार झेल रहे परिवारों का जीना मुश्किल हो गया है। गांव के दुकानदार उन्हें राशन का सामान नहीं दे रहे हैं। खेत मालिक उन्हें मजदूरी पर नहीं रख रहे हैं। हद तो यह है कि इन परिवारों को गांव के सार्वजनिक कुएं से पानी तक भरने नहीं दिया जा रहा है। राशन न मिलने के कारण घरों में बच्चे भूखे सो रहे हैं।

उधर, बरलूट थाने के जांच अधिकारी रमेश कुमार ने कहा- परिवाद हमारे पास आया है। जांच चल रही है। यह मामला कोई पुरानी रंजिश का लग रहा है।

थाने में सुनवाई नहीं, अब कलेक्टर से गुहार... पीड़ितों ने 20 जून को बरलूट थाने में नामजद रिपोर्ट दी थी। आरोप है कि पुलिस ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। इससे परेशान होकर गुरुवार को सभी 43 परिवारों के लोग सिरोही कलेक्ट्रेट पहुंचे और जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर न्याय की गुहार लगाई।

हाई-वोल्टेज ड्रामा: उद्धव गुट के कार्यकर्ताओं पर भड़के बागी सांसद पाटिल, घर के बाहर प्रदर्शन करने पर दी धमकी

मुंबई , एजेंसी। शिवसेना उद्धव गुट के छह सांसदों के शिवसेना (शिंदे गुट) में जाने के बाद दोनों दलों में कड़वाहट बढ़ती जा रही है। ऐसी कटुता के फलस्वरूप एक बागी सांसद संजय दीना पाटिल ने अपने घर के बाहर प्रदर्शन कर रहे शिवसेना (यूबीटी) के कार्यकर्ताओं के लिए धमकी भरी भाषा का इस्तेमाल किया। यही नहीं, उन्होंने तीखे सवाल पूछने पर पत्रकारों को भी नहीं छोड़ा। उन्हें भी धमकी दी। शिवसेना यूबीटी के सांसद संजय राउत ने आरोप लगाया कि पाटिल ने कहा था कि अगर कोई उनके खिलाफ विरोध प्रदर्शन करेगा तो वह उन पर बम फेंकेंगे और उनके घरों में घुसकर उन्हें मार डालेंगे। राउत ने कहा कि यदि इस दौरान किसी भी राजनीतिक कार्यकर्ता पर हमला होता है या उसकी हत्या कर दी जाती है तो इसकी पूरी जिम्मेदारी संजय पाटिल की होगी।

उन्होंने मुख्यमंत्री से पाटिल पर कार्रवाई की मांग की है: उन्होंने मुख्यमंत्री से पाटिल पर कार्रवाई की मांग की है। उद्धव ठाकरे की पार्टी शिवसेना (यूबीटी) छोड़कर जाने वाले छह सांसदों में संजय दीना पाटिल मुंबई से अकेले सांसद हैं। वह उत्तर-पूर्व मुंबई का प्रतिनिधित्व करते हैं और उसी क्षेत्र में रहते हैं जिस क्षेत्र में संजय राउत का भी घर है। शिवसेना (यूबीटी) सांसदों के छोड़कर जाने के बाद अपनी ताकत का प्रदर्शन करना चाहती है। इसलिए स्वयं पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने बागी सांसदों के विरुद्ध अपनी शक्ति प्रदर्शन की शुरुआत भी संजय पाटिल के क्षेत्र से की। इसी क्रम में उनकी पार्टी के कुछ कार्यकर्ता एक दिन पहले दीना पाटिल के घर के बाहर प्रदर्शन करने पहुंचे थे। वहां संजय दीना पाटिल की पहले तो प्रदर्शनकारियों के साथ बहस हुई फिर पत्रकारों द्वारा कुछ तीखे सवाल पूछे जाने पर पाटिल की पत्रकारों से भी बहस हो गई। इसे ही मुद्दा बनाते हुए शिवसेना (यूबीटी) प्रवक्ता संजय राउत ने मुंबई के पुलिस आयुक्त और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखकर संजय पाटिल पर कार्रवाई की मांग की है। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि धमकी देने वालों के खिलाफ पुलिस उचित कार्रवाई करेगी।

उन्होंने कहा कि हम किसी के घर को बम से उड़ाने की अनुमति नहीं देंगे न ही किसी को खोखली धमकियों से डरना चाहिए। पुलिस आयुक्त को लिखे पत्र में राउत ने कहा कि पाटिल की कथित टिप्पणियां आतंकवाद और आपराधिक इरादे के बराबर हैं। दावा किया कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) से हाल ही में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना में शामिल हुए छह सांसद देशभर में जनता के आक्रोश का विषय बन गए हैं। महाराष्ट्र में इस विभाजन को लेकर जनता में भारी आक्रोश है और लोग विभिन्न स्थानों पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि मतदाताओं के साथ धोखा हुआ है।

मीडिया के बहिष्कार करने पर जताया खेद

प्रेट्र के अनुसार, संजय दीना पाटिल ने पत्रकारों के साथ अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने और उन्हें धमकी देने के लिए खेद जताया है। पाटिल की ओर से अभद्र भाषा के इस्तेमाल और धमकियों के विरोध में मीडिया ने उनका पूर्ण बहिष्कार का फैसला किया था। इसके चलते शाम को बालासाहेब भवन स्थित शिवसेना कार्यालय में आयोजित उनकी प्रेस वार्ता में पत्रकार शामिल नहीं हुए। यह प्रेस वार्ता पाटिल ने पार्टी प्रमुख शिंदे के निर्देश पर अपना पक्ष स्पष्ट करने के लिए बुलाई थी।

डीडीयू के पूर्व छात्र प्रो. दुर्गेश को मिला हंबोल्ट रिसर्च अवार्ड

जर्मनी के अलेकजेंडर वोन हंबोल्ट फाउंडेशन की ओर से दिया गया सम्मान

गोरखपुर,एजेंसी । दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग के पुरातन छात्र एवं सौर भौतिक विज्ञानी प्रो. दुर्गेश कुमार त्रिपाठी को जर्मनी के अलेकजेंडर वोन हंबोल्ट फाउंडेशन की ओर से वर्ष 2026 का हम्बोल्ट रिसर्च अवार्ड दिया गया है।प्रो. दुर्गेश कुमार त्रिपाठी ने दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग से स्नातक एवं परास्नातक स्तर पर शिक्षा प्राप्त की है। उन्होंने जर्मनी के मैक्स प्लांक इंस्टीट्यूट फॉर सोलर सिस्टम रिसर्च से इंटरनेशनल मैक्स प्लांक रिसर्च स्कूल के अंतर्गत सौर कोरोना एवं कोरोनल मास इंजेक्शन पर पीएचडी पूरी की। प्रो. त्रिपाठी इंटर-यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर एस्ट्रोनॉमी एंड एस्ट्रोफिजिक्स, पुणे में प्रोफेसर हैं। भारत के प्रथम सौर मिशन आदित्य-एल1 के लिए उन्होंने अपनी शोध टीम के साथ सोलर अल्ट्रावॉयलेट इमेजिंग टेलिस्कोप के विकास और निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रो. दुर्गेश कुमार त्रिपाठी की यह उपलब्धि गोरखपुर विश्वविद्यालय के लिए अत्यंत गर्व का विषय है। उन्होंने हमारे विश्वविद्यालय से प्राप्त मजबूत शैक्षणिक आधार को वैश्विक स्तर की वैज्ञानिक उपलब्धियों में परिवर्तित किया है।

तेलंगाना में एसीबी की बड़ी कार्रवाई, निलंबित महिला तहसीलदार के ठिकानों से 5 करोड़ से अधिक की संपत्ति बरामद

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना में आय से अधिक संपत्ति के मामले में आमतौर पर पुरुष अधिकारियों की संलिप्तता अधिक देखी गई है। हालांकि, इस बार एक महिला अधिकारी के यहां मिले बेहिसाब धन ने सबको चौंका दिया है।

एंटी-करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने शमीरपेट की निलंबित तहसीलदार टी. सुचरिता के ठिकानों पर आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामले में नए सिरे से सघन तलाशी अभियान चलाया है।

रिश्वतखोरी के एक अन्य कथित मामले में सुचरिता पहले से ही जांच एजेंसियों की हिरासत में हैं और इसी कड़ी में उनके खिलाफ यह कार्रवाई की गई है।

छापेमारी में मिली करोड़ों की संपत्तियां

एसीबी द्वारा की गई इस व्यापक छापामारी के दौरान अचल संपत्तियों के साथ-साथ नकद, लग्जरी वाहनों और महंगे आभूषणों का बड़ा जखीरा बरामद हुआ है। जांच टीम ने सिद्दीपेट जिले के दमरकुंटा गांव में 2.17 एकड़ कृषि भूमि, हैदराबाद शहर में तीन आलीशान फ्लैट और कीसारा व खानमेट गांवों में दो प्लॉट के कागजात जब्त किए हैं। इसके अलावा, उनके पास से 12 लाख रुपये की नकद राशि, लगभग 38 लाख रुपये का बैंक बैलेंस और करीब 1.20 करोड़ रुपये के सोने और हीरे के आभूषण भी मिले हैं। इन संपत्तियों के साथ-साथ उनके आवास से एक फॉक्सवैगन और एक हुंडई क्रेटा कार भी बरामद की गई है। बाजार मूल्य दस्तावेजों से कहीं अधिक होने का अनुमान जांच एजेंसी के अनुसार, अब तक बरामद की गई इन तमाम संपत्तियों की कुल कीमत 5 करोड़ रुपये से भी ज्यादा आंकी गई है। हालांकि, एसीबी का यह भी स्पष्ट तौर पर कहना है कि यह 5 करोड़ रुपये का मूल्यांकन केवल दस्तावेजों में दर्ज कीमत के आधार पर किया गया है।

स्कूलों और बच्चों को निशाना बनाने वालों की तय हो जवाबदेही, सुरक्षा परिषद में भारत ने दी सलाह

संयुक्त राष्ट्र , एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र में भारत ने एक बड़ी मांग रखी है। भारत ने कहा कि जो लोग स्कूलों और बच्चों को निशाना बनाते हैं, उनकी जवाबदेही तय होनी चाहिए। भारत ने जोर देकर कहा कि बिना सजा के बच्चों की सुरक्षा का काम अधूरा है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत हरीश पार्वथनेनी ने सुरक्षा परिषद में यह बात कही। उन्होंने सशस्त्र संघर्ष से प्रभावित बच्चों की शिक्षा की सुरक्षा विषय पर अपनी बात रखी। राजदूत ने कहा कि शिक्षा एक ऐसा अधिकार है जो युद्ध के समय भी मिलना चाहिए। यह शांति स्थापित करने का सबसे ताकतवर जरिया है। भारत युद्ध के दौरान बच्चों की सुरक्षा और उनके पढ़ने-लिखने के अधिकार के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। भारत चाहता है कि हर बच्चा अपनी पूरी क्षमता को

पहचान सके। संयुक्त राष्ट्र महासचिव की 2025 की रिपोर्ट बहुत चिंताजनक है। इस रिपोर्ट के अनुसार, युद्ध वाले इलाकों में बच्चों के खिलाफ हिंसा बहुत ज्यादा बढ़ गई है। साल 2025 में बच्चों के खिलाफ 38,558 गंभीर अपराध दर्ज हुए। इनसे 24,174 बच्चे प्रभावित हुए। इनमें 15,493 लड़के और 7,990 लड़कियां शामिल हैं। करीब 691 बच्चों की पहचान नहीं हो सकी। यह अब तक की सबसे बड़ी संख्या है। कई बच्चों के साथ तो एक से ज्यादा बार गंभीर अपराध हुए। रिपोर्ट में बताया गया कि युद्ध में शामिल गुटों ने अंतरराष्ट्रीय नियमों का पालन नहीं किया। वे बिना किसी डर के अपराध करते रहे। इसका बुरा असर आम लोगों और बच्चों पर पड़ा। रिपोर्ट के मुताबिक, सरकारी सेनाएं भी बच्चों की हत्या और स्कूलों पर हमलों के लिए जिम्मेदार पाई गईं। उन्होंने मानवीय मदद को भी रोकने का काम किया। भारत ने कहा कि बच्चों और सशस्त्र संघर्ष पर सेक्रेटरी-जनरल की 2025 की सालाना रिपोर्ट में चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं। इसमें बताया गया है कि एक ही साल में स्कूलों पर हमलों में 44 प्रतिशत की भारी बढ़ोतरी हुई है। दुनिया में हर छह में से एक बच्चा यानी करीब 47.3 करोड़ बच्चे युद्ध वाले इलाकों में रहते हैं। इनमें से 8.5 करोड़ से ज्यादा बच्चों के पास शिक्षा की कोई सुविधा नहीं है। भारत ने इसे पूरी मानवता की विफलता बताया है।

राजदूत ने कहा कि बच्चों की शिक्षा बचाना असल में किसी देश का भविष्य बचाना है। इसकी प्राथमिक जिम्मेदारी सरकारों की है। भारत में 14 साल तक के बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार मिला हुआ है। भारत ने दीक्षा नाम का एक डिजिटल प्लेटफॉर्म भी बनाया है। यह तकनीक और एआई की मदद से कई भाषाओं में बच्चों को अच्छी शिक्षा दे रहा है। भारत का अनुभव कहता है कि डिजिटल पढ़ाई युद्ध के समय बच्चों के लिए एक पुल का काम कर सकती है। भारत ने अपने पड़ोसी देशों में शरणार्थियों की शिक्षा के लिए काफी निवेश किया है। भारत का मानना है कि पढ़ाई जारी रखना ही मुश्किलों से उबरने का सबसे अच्छा तरीका है।

दुनियाभर में घटी ट्रंप की लोकप्रियता, 76 प्रतिशत लोगों को अमेरिकी राष्ट्रपति के नेतृत्व पर भरोसा नहीं

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की वैश्विक रेटिंग पर उनकी टैरिफ समेत तमाम नीतियों और ईरान युद्ध का गहरा असर पड़ा है। उनकी न केवल दुनियाभर में लोकप्रियता घटी है बल्कि विश्व मामलों के संभालने को लेकर उनकी नीतियों पर दुनिया का भरोसा कम हुआ है। प्यू रिसर्च सेंटर के एक ताजा सर्वे के अनुसार, दुनियाभर में ट्रंप की अप्रूवल रेटिंग में भारी कमी आई है और 76 प्रतिशत लोगों ने उनके नेतृत्व पर भरोसा नहीं जताया है।

ट्रंप की लोकप्रियता घटी: मंगलवार को जारी सर्वे नतीजों के अनुसार, केवल 23 प्रतिशत प्रतिभागियों ने वैश्विक मामलों के समाधान में ट्रंप के नेतृत्व पर भरोसा जताया है। जबकि 24 देशों में से 16 में उनके प्रति विश्वास में कमी आई है और किसी भी देश में इसमें बढ़ोतरी नहीं हुई है। पिछले साल भारत में 51 प्रतिशत प्रतिभागियों ने अमेरिकी राष्ट्रपति पर भरोसा जताया था। सर्वे में हिस्सा लेने वाले 51 प्रतिशत भारतीयों ने वैश्विक मामलों को संभालने में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर विश्वास जताया है। इजरायल में 81 प्रतिशत प्रतिभागियों ने अमेरिका के प्रति सकारात्मक रुख दिखाया और 66 प्रतिशत ने कहा कि उन्हें यकीन है कि ट्रंप वैश्विक मामलों में सही कदम उठाएंगे। तीन यूरोपीय देशों फ्रांस, जर्मनी और ग्रीस में भी ट्रंप की रेटिंग में गिरावट आई है। मुस्लिम बहुल देशों में भी अन्य नेताओं की तुलना में ट्रंप की लोकप्रियता में काफी गिरावट आई है। टैरिफ नीति नहीं आई पसंद सर्वे के मुताबिक, ट्रंप प्रशासन की टैरिफ नीति सबसे कम पसंद की जाने वाली नीतियों में एक थी, जिसे केवल 18 प्रतिशत ने ही सही माना, जबकि 32 प्रतिशत ने अमेरिका की आव्रजन नीति को अच्छा बताया है।

मलबों में भी चल रही सांसें, जिंदा पशु-इंसान किसी चमत्कार से कम नहीं, विचलित कर रही तबाही

काराकास , एजेंसी। वेनेजुएला में भूकंप के बाद मौत का आंकड़ा 235 पहुंच गया है। प्रभावित इलाकों में रेस्क्यू ऑपरेशन और मलबे हटाने का काम जारी है। रिक्टर पैमाने पर 7 से अधिक तीव्रता वाला ये भूकंप 120 से अधिक वर्षों के बाद आया है। ऐसे में हताहतों की संख्या बढ़ने की आशंका है।

ला गुएरा में तबाही, काराकस मेट्रोपॉलिटन इलाके में भी नुकसान: वेनेजुएला में बुधवार रात (स्थानीय समय) आए 7.2 और 7.5 तीव्रता के भूकंप को लेकर देश की नेशनल असेंबली के अध्यक्ष जॉर्ज रोड्रिगेज ने बताया कि हम ज्यादा से ज्यादा लोगों को बचाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भूकंप के बाद आए लगातार झटकों (आफ्टरशॉक्स) के कारण क्षतिग्रस्त इमारतों के गिरने का खतरा बना हुआ है। देश के उत्तर-मध्य राज्य ला गुएरा में बहुत ज्यादा तबाही मची है। काराकस मेट्रोपॉलिटन इलाके में भी भारी नुकसान हुआ है।

यह इलाक सबसे ज्यादा प्रभावित है। ला गुआरा क्षेत्र में हालात सबसे ज्यादा खराब हैं। यहां स्वयंसेवक और आपातकालीन टीमें कंक्रीट के पहाड़ों को

खोदकर जिंदगियां तलाश रही हैं। इसी राहत बचाव कार्य के दौरान एक मासूम बच्चे का रेस्क्यू किया गया। मलबे के नीचे दबा यह बच्चा पूरी तरह सुरक्षित मिला। सोशल मीडिया पर आए वीडियो में बचाव कर्मी बच्चे को सुरक्षित निकालते समय खुशी से रोते और चिल्लाते दिखे। यह बच्चा उन परिवारों के लिए उम्मीद की किरण बन गया है जिनके अपने अब भी लापता हैं। ला गुआरा में ही वेनेजुएला की नेशनल पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने मिलकर एक और नवजात को सुरक्षित निकाला। इसके अलावा, घंटों की कड़ी मेहनत के बाद 12 साल के एक लड़के को भी मलबे से जिंदा बाहर निकाला गया। इन सफलताओं ने बचाव दलों का उत्साह बढ़ा दिया है। एक महिला को भी मलबे से जिंदा निकाला गया है। ऐसी ही एक दिल छू लेने वाली घटना तब सामने आई, जब घंटों की भारी मशक्कत के बाद मलबे के एक संकरे हिस्से से एक बेजुबान कुत्ते को सुरक्षित बाहर निकाला गया। कई घंटों तक बिना हवा, पानी और रोशनी के मलबे के नीचे दबे रहने के कारण वह पूरी तरह सहमा हुआ था और बुरी तरह हांफ रहा था। जैसे ही रेस्क्यू टीम ने उसे बाहर निकाला, एक राहतकर्मी ने तुरंत अपनी बोतल से उसे पानी पिलाया। मलबे से निकलते ही बेजुबान का तड़पकर पानी पीने का यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो को देखकर लाखों लोगों की आंखें नम हैं।

भूकंप के दौरान माईकेटिया अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर खड़े रुटाका एयरलाइंस के विमान में भी अफरा-तफरी मच गई। विमान के अंदर मौजूद यात्रियों और चालक दल ने तेज झटके महसूस किए। नुकसान की वजह से हवाई अड्डे को बंद कर दिया गया है, जिससे राहत कार्यों में दिक्कत आ रही है। तबाही के बीच एक मां और बच्चे के मिलन की कहानी ने भी सबका दिल जीत लिया। एक महिला राहत केंद्र की ओर जा रही थी, तभी रास्ते में उसे अपना खोया हुआ बच्चा मिल गया। कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रॉड्रिग्ज ने कहा है कि प्रशासन ज्यादा से ज्यादा लोगों को बचाने की कोशिश कर रहा है। अधिकारियों ने भारी मशीनों की मांग की है ताकि मलबे को तेजी से हटाया जा सके। यह भूकंप वेनेजुएला में पिछले 100 वर्षों में आए सबसे शक्तिशाली भूकंपों में से एक है। इसने अस्पतालों, बिजली और संचार व्यवस्था को ठप कर दिया है। लगभग 250 इमारतें पूरी तरह नष्ट हो गई हैं। करीब 200 लोग अब भी मलबे में दबे हो सकते हैं। कई देशों से अंतरराष्ट्रीय टीमें और मदद पहुंचनी शुरू हो गई है।

मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम क्या बोलीं

वेनेजुएला के लोगों के प्रति एकजुटता व्यक्त करते हुए मेक्सिको की महिला राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम ने कहा कि उन्होंने दक्षिण अमेरिकी देश को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने की तैयारी के निर्देश दिए हैं। विदेश मामलों के सचिव देश (वेनेजुएला) की सरकार के संपर्क में है। राहत और बचाव अभियान में स्वास्थ्य में विशेषज्ञों से भी मदद की अपील की गई है। मेक्सिको आपदा के ऐसे मौके पर हमेशा एकजुट रहेगा। वेनेजुएला में आए दो विनाशकारी भूकंपों ने भारी तबाही मचाई है। बुधवार को एक मिनट के भीतर 7.2 और 7.5 तीव्रता के दो शक्तिशाली भूकंप आए। इस आपदा में अब तक कम से कम 235 लोगों की जान जा चुकी है और 4,300 से ज्यादा लोग घायल हैं। हजारों लोग अब भी लापता बताए जा रहे हैं। भूकंप से मची तबाही के बीच, कुछ ऐसी चमत्कारिक तस्वीरें भी सामने आई हैं जिसने सबको हैरान कर दिया। बचाव कार्य मुख्य रूप से देश के उत्तरी इलाकों में चल रहा है।

महाराष्ट्र के हिंगोली में नीट-यूजी अभ्यर्थी ने की आत्महत्या, रिकॉर्ड किया भावुक वीडियो

हिंगोली, एजेंसी। महाराष्ट्र के हिंगोली में हाल में नीट-यूजी की पुनर्परीक्षा देने वाले 18 वर्षीय एक अभ्यर्थी ने आत्महत्या कर ली। आत्महत्या करने से पहले अभ्यर्थी ने अपनी मां के लिए अपने मोबाइल फोन पर एक वीडियो रिकॉर्ड की थी। अधिकारियों के अनुसार, इस बात की जांच की जा रही है कि क्या सुशील धागे द्वारा उठाए गए इस कदम का राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की मेडिकल प्रवेश परीक्षा से कोई संबंध था। सुशील के परिवार ने दावा किया कि उसे दोबारा परीक्षा देना मुश्किल लगा था। एक अधिकारी ने बताया कि शहर के अष्टविनायक नगर इलाके में रहने वाले 18 वर्षीय सुशील ने बुधवार को एक कुएं में छलांग लगा दी। आत्महत्या करने से पहले उसने अपनी मां से माफी मांगते हुए 33 सेकेंड का एक वीडियो रिकार्ड किया था। वीडियो में सुशील ने कहा, मैं आत्महत्या करने जा रहा हूं और चिंता न करें। अगले जन्म में भी मैं आपकी संतान के रूप में जन्म लेना चाहता हूं। मुझे माफ करना। पुलिस ने आकस्मिक मौत का मामला दर्ज किया है। हिंगोली शहर थाने के एक अधिकारी ने बताया कि परिवार की शिकायत में नीट की पुनर्परीक्षा का जिक्र है।

आपातकाल में जेल जाने वालों को राजस्थान सरकार अब देगी 25 हजार रुपये पेंशन, भजनलाल कैबिनेट का बड़ा फैसला

जयपुर , एजेंसी। आपातकाल में जेल जाने वालों की पेंशन में राजस्थान सरकार ने बढ़ोतरी की है। शहर में आयोजित संविधान हत्या दिवस और लोकतंत्र सेनानी सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि लोकतंत्र सेनानियों को मासिक पेंशन अब 25 हजार रुपये दी जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने लोकतंत्र सेनानियों को अन्य सुविधाएं देने की भी घोषणा की। गौरतलब है कि अब तक इनको 20 हजार रुपये मासिक पेंशन मिलती थी। सीएम ने लोकतंत्र सेनानियों की चिकित्सा सहायता चार हजार रुपये मासिक से बढ़ाकर पांच हजार करने और राजस्थान रोडवेज की बसों में निशुल्क यात्रा की सुविधा देने की भी घोषणा की है। इस मौके पर सीएम शर्मा ने कांग्रेस को घेरते हुए कहा कि वह संविधान बचाने की बात करती है, लेकिन इतिहास में वही आपातकाल लागू करने के लिए जिम्मेदार रही है। कांग्रेस ने आपातकाल लगाकर लोकतंत्र की हत्या की थी।

शामली में पुलिस से मुठभेड़, 50 हजार का इनामी मेहताब ढेर, दरोगा को भी लगी गोली

मेरठ,एजेंसी। शामली के कांधला क्षेत्र में शुक्रवार तड़के खंद्रावली पुलिस चौकी के पास पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में 50 हजार रुपये का इनामी बदमाश मेहताब मारा गया। मुठभेड़ के दौरान कांधला थाने में तैनात दरोगा दीपचंद भी गोली लगने से घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मौके से एक बिना नंबर की मोटरसाइकिल, एक नौ मिलीमीटर की पिस्तौल और कई कारतूस बरामद किए हैं।

पुलिस पर फायरिंग के बाद हुई जवाबी कार्रवाई: पुलिस अधीक्षक नरेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि शुक्रवार सुबह सूचना मिली थी कि खंद्रावली पुलिस चौकी के पास कुछ बदमाश किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में मौजूद हैं। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मोटरसाइकिल सवार दो संदिग्धों को रुकने का संकेत दिया। इस दौरान बदमाशों ने पुलिस टीम पर गोलीबारी शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में 50 हजार रुपये का इनामी बदमाश मेहताब गोली लगने से घायल हो गया। वहीं बदमाशों की गोली से दरोगा दीपचंद भी घायल हो गए। दोनों को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मेहताब को मृत घोषित कर दिया। उसका एक साथी मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश में पुलिस लगातार कांबिंग अभियान चला रही है।

कई राज्यों में सक्रिय था मेहताब का गिरोह: पुलिस के अनुसार मेहताब कैराना के मोहल्ला आलकलां का रहने वाला था। उस पर हत्या, लूट, डकैती सहित विभिन्न धाराओं में 34 मुकदमे दर्ज थे। वह शामली, बागपत, मेरठ, मुजफ्फरनगर के अलावा हरियाणा, उत्तराखंड और दिल्ली में भी सक्रिय था। पुलिस के मुताबिक गिरोह की कमान भी उसी के हाथ में थी।

महिला सिपाही और किसानों से लूट की वारदात में था वांछित: पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मेहताब ने एक मार्च को पानीपत में तैनात एक महिला सिपाही से सोने के कुंडल लूट लिए थे। इसके अलावा आदर्श मंडी क्षेत्र में किसानों से लूट की घटनाओं में भी उसका नाम सामने आया था। पुलिस लंबे समय से उसकी तलाश कर रही थी और उस पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित था।

ताइवान पर ट्रंप प्रशासन का बयान अमेरिका अपनी नीति नहीं बदलेगा, 14 अरब डॉलर के हथियार पैकेज की समीक्षा जारी

वॉशिंगटन , एजेंसी। ट्रंप सरकार ने एक बार फिर साफ किया कि ताइवान को लेकर उसकी लंबे समय से चली आ रही नीति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। हालांकि, चीन की बढ़ती सैन्य गतिविधियों और दबाव के बीच स्वशासित द्वीप ताइवान के लिए प्रस्तावित 14 अरब डॉलर के हथियार पैकेज की समीक्षा की जा रही है।

एकतरफा बदलाव का विरोध करते हैं: पूर्वी एशिया और प्रशांत मामलों के लिए अमेरिकी विदेश मंत्रालय के सहायक विदेश मंत्री माइकल जी. डीसोम्ब्रे ने प्रतिनिधि सभा (हाउस) की विदेश मामलों की उपसमिति (पूर्वी एशिया और प्रशांत) के समक्ष पेश होते हुए लॉमेकर्स से कहा कि ट्रंप प्रशासन ताइवान संबंध अधिनियम और अमेरिका-ताइवान संबंधों को संचालित करने वाले लंबे समय से चले आ रहे नीति-ढांचे के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है।डीसोम्ब्रे ने कहा, ताइवान पर हमारी पुरानी नीति नहीं बदली है, जो ताइवान संबंध अधिनियम, तीन जॉइंट कम्युनिकेशंस और छह एश्योरेंस से निर्देशित होती है। हम ताइवान स्ट्रेट में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं और स्टेटस में किसी भी एकतरफा बदलाव का विरोध करते हैं।

ताइवान के साथ मजबूती से खड़े हैं: सुनवाई के दौरान ज्यादातर ताइवान का मुद्दा छाया रहा, जिसमें डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन लॉमेकर्स ने सैन्य मदद, रोकथाम और द्वीप पर चीन के बढ़ते दबाव के लिए सरकार पर दबाव डाला।

साइबर सुरक्षा जागरूकता रैली में दिखी लापरवाही, पिलियन राइडर बिना हेलमेट नजर आए, जांच के आदेश

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली जिले के मोरवा थाना क्षेत्र में शुक्रवार को आयोजित साइबर सुरक्षा जागरूकता रैली के दौरान यातायात नियमों के पालन को लेकर गंभीर लापरवाही सामने आई रैली का नेतृत्व मोरवा थाना प्रभारी डॉ. ज्ञानेंद्र सिंह ने किया, जिसका उद्देश्य लोगों को साइबर अपराधों और डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक करना था। लेकिन इसी दौरान सड़क सुरक्षा नियमों की अनदेखी ने कार्यक्रम की गंभीरता पर सवाल खड़े कर दिए रैली में शामिल कुछ दोपहिया वाहनों पर पीछे बैठने वाले यात्री यानी पिलियन राइडर बिना हेलमेट के दिखाई दिए। यह दृश्य कैमरे में कैद हो गया और सोशल मीडिया पर भी तेजी से वायरल होने लगा। इसके बाद स्थानीय लोगों और नागरिकों ने पुलिस की इस लापरवाही पर सवाल उठाए हैं। लोगों का कहना है कि जब पुलिस स्वयं जागरूकता अभियान चला रही थी तो उसे यातायात नियमों का पूर्ण रूप से पालन करना चाहिए था। विशेषकर उस रैली में जिसका उद्देश्य जनता को नियमों के प्रति संवेदनशील बनाना था वहां इस तरह की चूक संदेश को कमजोर करती है सड़क सुरक्षा नियमों के अनुसार दोपहिया वाहन चलाने वाले के साथ-साथ पीछे बैठने वाले व्यक्ति के लिए भी हेलमेट पहनना अनिवार्य है। यह नियम दुर्घटना की स्थिति में गंभीर चोटों और मृत्यु के जोखिम को कम करने के लिए लागू किया गया है विशेषज्ञों का मानना है कि हेलमेट पहनना केवल औपचारिकता नहीं बल्कि जीवन सुरक्षा का महत्वपूर्ण उपाय है। इस घटना के सामने आने के बाद यातायात विभाग ने मामले को गंभीरता से लिया है। यातायात थाना प्रभारी दीपेंद्र सिंह ने स्पष्ट किया कि मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 194 के तहत बिना हेलमेट वाहन चलाने या पीछे बैठने पर 1,000 रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है इसके साथ ही ड्राइविंग लाइसेंस पर भी कार्रवाई का प्रावधान है।

उन्होंने बताया कि मोरवा में निकाली गई इस रैली की विस्तृत जांच की जाएगी। यदि किसी भी स्तर पर यातायात नियमों का उल्लंघन पाया जाता है तो संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी उन्होंने यह भी कहा कि कानून सभी के लिए समान है और किसी भी प्रकार की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

स्थानीय प्रशासन का कहना है कि जागरूकता अभियानों का उद्देश्य जनता में सही संदेश देना होता है इसलिए आयोजनों में भी नियमों का पालन करना अत्यंत आवश्यक है इस तरह की घटनाएं अभियान की विश्वसनीयता पर असर डाल सकती हैं। इस पूरे मामले के बाद अब उम्मीद की जा रही है कि भविष्य में आयोजित होने वाले सभी जागरूकता कार्यक्रमों में सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाएगा ताकि संदेश सही तरीके से जनता तक पहुंचे और किसी भी प्रकार की गलतफहमी या आलोचना की स्थिति न बने फिलहाल मामले की जांच जारी है और प्रशासन की ओर से आगे की कार्रवाई पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं।

सोनवर्षा में 12 दिवसीय व्यावसायिक सब्जी उत्पादक प्रशिक्षण का शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। ग्रामीण महिलाओं को कृषि आधारित आजीविका से जोड़ने एवं व्यावसायिक सब्जी उत्पादन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विकासखंड मझौली के ग्राम सोनवर्षा में 12 दिवसीय व्यावसायिक सब्जी उत्पादक प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया इस प्रशिक्षण में स्व-सहायता समूह की 30 महिला सदस्य भाग ले रही हैं। कार्यक्रम का आयोजन कलेक्टर विकास मिश्रा के मार्गदर्शन तथा जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शैलेंद्र सिंह सोलंकी, जिला परियोजना प्रबंधक पुष्पेंद्र कुमार सिंह एवं आरसेटी निदेशक शिवेंद्र कुमार चौधरी के निर्देशन में किया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया इस अवसर पर जिला प्रबंधक अजय सिंह, विजय शंकर गिरी गोस्वामी, युवा सलाहकार हरिराम त्रिपाठी, प्रशिक्षण प्रभारी प्रशांत मिश्रा सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी एवं प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए विकासखंड प्रबंधक चंद्रकांत सिंह एवं सहायक विकासखंड प्रबंधक भरत सोनी ने बताया कि यह प्रशिक्षण 12 दिनों तक निरंतर संचालित होगा इसका मुख्य उद्देश्य महिलाओं को आधुनिक, वैज्ञानिक एवं व्यावसायिक सब्जी उत्पादन तकनीकों का प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना तथा उनकी आय में वृद्धि करना है प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को मिट्टी उपचार, उन्नत सब्जी उत्पादन तकनीक, फसल प्रबंधन, पौध संरक्षण, जैविक खेती, जैविक संसाधन केंद्र की स्थापना, जैविक कीटनाशक एवं अन्य जैविक उत्पादों के निर्माण, उपयोग एवं विपणन की विस्तृत जानकारी दी जाएगी इसके साथ ही कृषि क्षेत्र में शासन द्वारा किए जा रहे नवीन नवाचारों एवं व्यावसायिक खेती के विभिन्न पहलुओं की व्यवहारिक जानकारी भी प्रदान की जाएगी। प्रशिक्षण में संतोष साहू (आरसेटी प्रशिक्षक), कमला कुशवाहा एवं विमला कुशवाहा (वरिष्ठ कृषि सीआरपी) प्रशिक्षक के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। अधिकारियों ने कहा कि यह कार्यक्रम महिलाओं को केवल तकनीकी ज्ञान ही नहीं देगा बल्कि कृषि को एक लाभकारी उद्यम के रूप में विकसित करने, स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन करने तथा अन्य ग्रामों में भी व्यावसायिक सब्जी उत्पादन को बढ़ावा देने में सहायक होगा। प्रशासन ने विश्वास जताया कि यह प्रशिक्षण ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ-साथ जिले में जैविक एवं व्यावसायिक कृषि को नई दिशा प्रदान करेगा।

जिले में 1.92 लाख बच्चों को पिलाई जाएगी पोलियो की खुराक

28 से 30 जून तक तीन दिवसीय पल्स पोलियो अभियान, 1189 बूथ और 29 ट्रांजिट टीमों का गठन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में पांच वर्ष तक की आयु के प्रत्येक बच्चे को पोलियो से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से 28 जून से 30 जून 2026 तक तीन दिवसीय पल्स पोलियो अभियान चलाया जाएगा इस अभियान के तहत जिले के लगभग 1 लाख 92 हजार बच्चों को पोलियो की दो बूंद पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है स्वास्थ्य विभाग ने अभियान की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली हैं। अभियान की समीक्षा करते हुए कलेक्टर विकास मिश्रा ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जिले का कोई भी पात्र बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित न रहे उन्होंने कहा कि भारत ने लंबे प्रयासों के बाद पोलियो मुक्त राष्ट्र का गौरव प्राप्त किया है जिसे बनाए रखने के लिए प्रत्येक बच्चे तक समय पर पोलियो की खुराक पहुंचाना आवश्यक है उन्होंने स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, शिक्षा एवं अन्य विभागों को आपसी समन्वय के साथ अभियान को सफल बनाने के निर्देश दिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार खरे ने बताया कि अभियान के पहले दिन 28 जून (रविवार) को जिलेभर में 1189 पोलियो बूथों पर बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी इसके अलावा बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन एवं अन्य प्रमुख स्थानों पर 29 ट्रांजिट टीमों को तैनात किया जाएगा ताकि यात्रा के दौरान भी कोई बच्चा खुराक से वंचित न रह जाए। उन्होंने बताया कि अभियान के दूसरे और तीसरे दिन स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर पहुंचकर उन बच्चों को पोलियो की खुराक देंगी जो किसी कारणवश पहले दिन बूथ तक नहीं पहुंच पाए इसके लिए सभी ग्रामों एवं शहरी वार्डों का माइक्रोप्लान तैयार किया गया है। साथ ही टीमों को आवश्यक वैक्सीन, कोल्ड चेन व्यवस्था और अन्य संसाधन उपलब्ध कराए गए हैं। सीएमएचओ ने कहा कि पोलियो एक गंभीर बीमारी है, जो जीवनभर के लिए दिव्यांगता का कारण बन सकती है लेकिन समय पर दो बूंद दवा से इसका पूरी तरह बचाव संभव है। उन्होंने सभी अभिभावकों से अपील की कि वे 28 जून को अपने पांच वर्ष तक के बच्चों को नजदीकी पोलियो बूथ पर अवश्य लेकर जाएं जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वे इस जनस्वास्थ्य अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं और अपने आसपास के लोगों को भी बच्चों को पोलियो की खुराक दिलाने के लिए प्रेरित करें।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार हेतु प्रतिभाशाली बच्चों के नामांकन आमंत्रित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। भारत सरकार द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में असाधारण प्रतिभा एवं उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल करने वाले बच्चों को सम्मानित करने के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार-2026 हेतु नामांकन आमंत्रित किए गए हैं। जिला शिक्षा केन्द्र सीधी ने जिले के सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारियों, विकासखंड स्त्रोत समन्वयकों तथा शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के प्राचार्यों एवं प्रधानाध्यापकों को पात्र बच्चों की पहचान कर उनके प्रस्ताव निर्धारित समय-सीमा में भेजने के निर्देश दिए हैं। जिला परियोजना समन्वयक, जिला शिक्षा केन्द्र ने बताया कि यह प्रतिष्ठित पुरस्कार उन बच्चों को प्रदान किया जाता है जिन्होंने वीरता, सामाजिक सेवा, पर्यावरण संरक्षण, खेल, कला एवं संस्कृति तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में असाधारण उपलब्धियां प्राप्त कर समाज के लिए प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया है इसका उद्देश्य प्रतिभाशाली बच्चों को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित कर उनकी उपलब्धियों को पहचान दिलाना तथा अन्य बच्चों को भी उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रेरित करना है उन्होंने बताया कि 31 जुलाई 2026 की स्थिति में 18 वर्ष से कम आयु के बच्चे इस पुरस्कार के लिए पात्र होंगे विशेष रूप से अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, कमजोर वर्गों तथा दिव्यांग बच्चों की उत्कृष्ट उपलब्धियों की पहचान कर उनके नामांकन को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए हैं।

बहरी में 27 जून को लगेगा युवा संगम मेला

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के शिक्षित बेरोजगार युवक-युवतियों को रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 27 जून 2026 को शासकीय विद्यालय बहरी परिसर में एक दिवसीय युवा संगम मेला आयोजित किया जाएगा यह मेला प्रातः 11 बजे से अपराह्न 3 बजे तक चलेगा। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग के निर्धारित कैलेंडर के अनुसार युवा संगम मेले का आयोजन प्रत्येक माह किया जाता है जून माह का यह आयोजन पूर्व निर्धारित 16 जून के स्थान पर कलेक्टर के निर्देशानुसार 27 जून 2026 को किया जा रहा है यह मेला जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में जिला रोजगार कार्यालय, शासकीय आईटीआई एवं जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र, सीधी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है इसका मुख्य उद्देश्य युवाओं को एक ही स्थान पर रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप से जुड़ी संभावनाओं से जोड़ना है मेले में देश, प्रदेश एवं स्थानीय स्तर की कई निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनियां भाग लेंगी साथ ही विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं से जुड़े विभागों द्वारा स्टॉल लगाए जाएंगे, जहां युवाओं को रोजगार, उद्यमिता, बैंक ऋण योजनाओं, कौशल विकास एवं प्रशिक्षण तथा अप्रेंटिसशिप से संबंधित विस्तृत जानकारी और मार्गदर्शन दिया जाएगा।

इमाम हुसैन की शहादत की याद में निकला ताजियों का जुलूस

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। करबला के मैदान में शहादत देने वाले शहीदे आजम हजरत इमाम हुसैन की याद में रीवा शहर में मोहर्रम का मुख्य ताजिया जुलूस पूरे अकीदत और श्रद्धा के साथ निकाला गया जुलूस में बड़ी संख्या में ताजियादारों, ढोल-अखाड़ों और अंजुमनों ने हिस्सा लिया शहर भर में जगह-जगह लंगर, शर्बत और मिलाद-ए-मुस्तफा का आयोजन किया गया। जानकारी के अनुसार देर रात सभी ताजिया चौकों पर ताजियों को रखकर फातिहा और दरूद का आयोजन किया गया इसके बाद शाम लगभग 5 बजे नमाज-ए-असर के बाद मुख्य जुलूस की शुरुआत हुई ताजिया, ढोल अखाड़े, गिरोह और अलम के साथ जुलूस अपने-अपने चौकों से निकलकर शाहभोलन, सिटी कोतवाली होते हुए मुख्य मार्गों से गुजरता हुआ छोटी दरगाह शरीफ पहुंचा। यहां अखाड़ा दलों ने पारंपरिक करतबों का प्रदर्शन कर करबला की जंग की याद को ताजा किया ढोल और अखाड़ा पार्टियों ने भी अपनी कला का प्रदर्शन किया जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे छोटी दरगाह में जिला मोहर्रम कमेटी और इंतजामिया कमेटी के पदाधिकारियों ने ताजियादारों का स्वागत कर उन्हें चादर और तबर्रुक प्रदान किया इसके बाद बिछिया की ताजिया धोबिया टंकी, गुढ़ चौराहा होते हुए कर्बला की ओर रवाना हुई, जबकि अन्य ताजिए बड़ी दरगाह कर्बला पहुंचे।

कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ ने किया रक्तदान, 18 यूनिट रक्त संग्रहित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मानवता की सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रेरक संदेश देते हुए जिला रक्त केंद्र, सीधी में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया इस शिविर का आयोजन कलेक्टर विकास मिश्रा के मार्गदर्शन में किया गया, जिसमें कलेक्टर स्वयं एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शैलेंद्र सिंह सोलंकी ने रक्तदान कर उदाहरण प्रस्तुत किया शिविर के दौरान दोनों वरिष्ठ अधिकारियों ने आमजन, विशेषकर युवाओं से नियमित रूप से स्वैच्छिक रक्तदान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि रक्तदान एक महादान है जो सीधे किसी व्यक्ति के जीवन को बचाने में सहायक होता है। कलेक्टर विकास मिश्रा ने कहा कि रक्त का कोई कृत्रिम विकल्प उपलब्ध नहीं है एक यूनिट रक्त कई जरूरतमंद मरीजों के जीवन को बचा सकता है यदि समाज में रक्तदान की नियमित परंपरा विकसित हो जाए तो किसी भी मरीज को रक्त की कमी के कारण परेशानी नहीं होगी उन्होंने नागरिकों से आग्रह किया कि वे अपने जन्मदिन, विवाह वर्षगांठ एवं अन्य विशेष अवसरों को रक्तदान जैसे पुनीत कार्य से जोड़ें शिविर में उत्साहपूर्वक भागीदारी देखने को मिली और कुल 18 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया रक्तदाताओं में युवाओं का विशेष उत्साह देखा गया जिसे आयोजन की बड़ी उपलब्धि माना गया। कार्यक्रम के सफल संचालन में स्वास्थ्य विभाग एवं जिला रक्त केंद्र की टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक खरे, सिविल सर्जन डॉ. एस.बी. खरे, ब्लड बैंक अधिकारी डॉ. अमन सिंह चंदेल तथा पैथोलॉजिस्ट डॉ. सुनिधि सिंह सहित स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों से अपील की कि वे नियमित रूप से स्वैच्छिक रक्तदान करें क्योंकि एक यूनिट रक्त किसी भी जरूरतमंद के लिए जीवन का उपहार साबित हो सकता है।

सीधी में तेज रफ्तार बल्कर पेड़ से टकराया चालक गंभीर घायल, बड़ा हादसा टला

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के टिकरी चौकी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सिकरा में शुक्रवार दोपहर एक तेज रफ्तार बल्कर अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे उतर गया और पेड़ से टकरा गया। इस हादसे में वाहन चालक गंभीर रूप से घायल हो गया जिसे तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया है राहत की बात यह रही कि वाहन खाली था जिससे बड़ा हादसा टल गया जानकारी के अनुसार घटना दोपहर करीब 1 बजे हुई बल्कर वाहन सीधी से टिकरी की ओर जा रहा था तभी ग्राम सिकरा के पास चालक ने नियंत्रण खो दिया और वाहन सड़क से नीचे उतरकर पेड़ से जा टकराया टक्कर इतनी जोरदार थी कि वाहन का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया प्रत्यक्षदर्शी नरेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि वाहन तेज गति से आ रहा था और अचानक अनियंत्रित हो गया प्रारंभिक तौर पर तेज रफ्तार को हादसे का कारण माना जा रहा है सूचना मिलते ही टिकरी चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और घायल चालक को अस्पताल भिजवाया ।

सोन नदी में डूबे एक युवक का शव बरामद

सीधी के केतकिन घाट पर दूसरे युवक की तलाश जारी, एसडीआरएफ कर रही रेस्क्यू ऑपरेशन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के सिहावल क्षेत्र स्थित सोन नदी के केतकिन घाट में डूबे दो युवकों में से एक का शव शुक्रवार दोपहर करीब 1 बजे बरामद कर लिया गया। मृतक की पहचान संजय साकेत के रूप में हुई है जो गुरुवार सुबह नहाने के दौरान नदी में डूब गया था वहीं दूसरे युवक राजा साकेत की तलाश में एसडीआरएफ एवं पुलिस की टीम लगातार सर्च ऑपरेशन चला रही है जानकारी के अनुसार दोनों युवक बुधवार रात गांव में एक शादी समारोह में शामिल होने आए थे गुरुवार सुबह वे अपने साथी प्रिंस साकेत के साथ सोन नदी के केतकिन घाट पर नहाने पहुंचे थे नहाते समय संजय और राजा ने नदी में तैरकर पार जाने की कोशिश की लेकिन तेज बहाव और गहरे पानी के कारण दोनों डूब गए। घटना के प्रत्यक्षदर्शी प्रिंस साकेत ने बताया कि दोनों युवक पानी में डूबते समय मदद के लिए आवाज लगा रहे थे लेकिन वह स्वयं तैरना नहीं जानता था इसलिए तत्काल गांव पहुंचकर परिजनों एवं ग्रामीणों को सूचना दी सूचना मिलते ही अमिलिया थाना पुलिस और ग्रामीण मौके पर पहुंचे लेकिन गुरुवार को दोनों युवकों का कोई सुराग नहीं मिल सका। शुक्रवार को एसडीआरएफ की टीम ने रेस्क्यू अभियान चलाते हुए संजय साकेत का शव नदी से बाहर निकाला पुलिस ने शव का पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अमिलिया थाना प्रभारी राकेश बैस ने बताया कि दूसरे युवक राजा साकेत की तलाश के लिए सर्च ऑपरेशन लगातार जारी है। नदी में तेज बहाव और गहराई के कारण रेस्क्यू कार्य में कठिनाई आ रही है, लेकिन एसडीआरएफ की टीम पूरी मुस्तैदी के साथ तलाश में जुटी हुई है।

श्रमिकों का फूटा गुस्सा : 500 की जगह मिल रहे 300 रुपए, निगाही परियोजना में मजदूरी विवाद पर आंदोलन तेज

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली जिले की एनसीएल (नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड) की निगाही परियोजना के सीएचपी (कोल हैंडलिंग प्लांट) में शुक्रवार को उस समय माहौल तनावपूर्ण हो गया जब बड़ी संख्या में श्रमिकों ने वेतन भुगतान में अनियमितताओं के खिलाफ आंदोलन शुरू कर दिया। श्रमिकों का आरोप है कि उन्हें तय मजदूरी से काफी कम भुगतान किया जा रहा है जिससे उनके जीवन-यापन पर गंभीर असर पड़ रहा है।

यह विरोध मधुकॉन कंपनी के तहत काम करने वाले श्रमिकों द्वारा किया गया जो लंबे समय से परियोजना में कार्यरत हैं श्रमिकों का कहना है कि कंपनी प्रबंधन ने उन्हें प्रतिदिन 500 से 550 रुपए मजदूरी देने का आश्वासन दिया था लेकिन वास्तविक भुगतान केवल 300 से 350 रुपए प्रतिदिन के बीच किया जा रहा है इस कारण प्रत्येक श्रमिक को प्रतिदिन लगभग 150 से 200 रुपए तक का नुकसान हो रहा है। श्रमिकों ने आरोप लगाया कि इस अंतर के बारे में कई बार कंपनी प्रबंधन से शिकायत की गई, लेकिन अब तक किसी भी तरह का स्पष्ट जवाब या समाधान नहीं दिया गया है उनका कहना है कि लगातार अनदेखी किए जाने से उनमें आक्रोश बढ़ता जा रहा है और अब उन्होंने काम बंद करने तक की चेतावनी दे दी है। प्रदर्शन कर रहे श्रमिकों ने सवाल उठाया कि जब सरकार और अनुबंध की शर्तों के अनुसार एक निश्चित मजदूरी तय है तो फिर उन्हें पूरा भुगतान क्यों नहीं मिल रहा है। श्रमिकों का यह भी कहना है कि उनकी मेहनत का उचित मूल्य नहीं दिया जा रहा है और बीच का पैसा किसके पास जा रहा है यह बड़ा सवाल बना हुआ है।

आंदोलन के दौरान श्रमिकों ने साफ कर दिया कि यदि उन्हें जल्द ही पूरा वेतन नहीं दिया गया और बकाया राशि का भुगतान नहीं किया गया तो वे सामूहिक रूप से कार्य बंद कर देंगे इससे परियोजना में उत्पादन कार्य प्रभावित होने की संभावना भी जताई जा रही है। घटना की जानकारी मिलने के बाद स्थानीय प्रशासन और परियोजना प्रबंधन में भी हलचल देखी गई स्थिति को नियंत्रित करने के लिए संबंधित अधिकारियों ने श्रमिकों से बातचीत करने की कोशिश की लेकिन श्रमिक अपनी मांगों पर अड़े रहे। मामले पर एनसीएल के जनसंपर्क अधिकारी रामविजय सिंह ने बयान देते हुए कहा कि सरकार द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार सभी श्रमिकों को मजदूरी का भुगतान किया जाना चाहिए उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि यदि श्रमिकों को तय मानक के अनुसार भुगतान नहीं मिल रहा है तो मामले की गंभीरता से जांच कराई जाएगी।

रामविजय सिंह ने बताया कि निगाही कोयला खदान के महाप्रबंधक से इस मुद्दे पर चर्चा की जाएगी और संबंधित ठेका कंपनी को नोटिस जारी किया जाएगा उन्होंने कहा कि पूरे मामले की जांच रिपोर्ट के आधार पर आवश्यक और सख्त कार्रवाई की जाएगी ताकि भविष्य में इस तरह की शिकायतें दोबारा सामने न आएं। फिलहाल श्रमिकों का आंदोलन जारी है और वे अपनी मांगों पर अड़े हुए हैं। वहीं प्रशासन और कंपनी प्रबंधन स्थिति को शांत करने और समाधान निकालने की कोशिश में जुटे हुए हैं इस विवाद ने एक बार फिर ठेका श्रमिकों के वेतन भुगतान और पारदर्शिता पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

भरोसे के रिश्ते का कत्ल

संपादकीय

आम भारतीय की स्मृति से एक साल पहले मेघालय में इंदौर की सोनम रघुवंशी द्वारा अपने हनीमून के दौरान पति राजा रघुवंशी की हत्या की घटना अभी मिटी नहीं है। सोनम ने पहाड़ी से अपने पति को धक्का देकर मौत की नींद सुला दिया था। साजिश में उसका प्रेमी राज सिंह भी शामिल था। अब ऐसा ही मामला पुणे में सामने आया है जब सिया गोयल नामक युवती ने अपने मंगेतर केतन अग्रवाल को लौहगढ़ स्थित ऊंची पहाड़ी से धक्का देकर मौत की नींद सुला दिया। दोनों धनाढ्य परिवारों से थे। इस साल की शुरुआत में सगाई हुई थी और इसी साल के अंत में उनकी शादी होने जा रही थी। हत्या की दोनों ही घटनाओं में प्रेम का दूसरा कोण मौजूद रहा। पहली घटना में खलनायक प्रेमी राज सिंह तो दूसरी घटना में चेतन चौधरी। दोनों ही घटनाओं में पति व मंगेतर को कांटा मानकर जीवन से हटाना और प्रेमी के दिखाए सब्जबाग संग जीने की उत्कट चाह थी। लेकिन ये कोई सामान्य दुर्घटनाएं नहीं हैं, एक सुनियोजित साजिश हैं,भरोसे के रिश्तों के कत्ल की। भारतीय समाज में ये घटनाएं अस्वाभाविक हैं और परिवार संस्था में भरोसा रखने वाले हर व्यक्ति को उद्वेलित करती हैं। यह समाज विज्ञानियों के लिये मंथन का विषय है कि कोई स्त्री कैसे अपने पति या होने वाली पति की हत्या करने की सोच बना लेती है? सोच बनाती ही नहीं है बल्कि उसे साजिश रचकर अंजाम भी देती है। यहां सवाल उठता है कि यदि सोनम व सिया परिवार द्वारा तय किए गए रिश्ते में नहीं बंधना चाहती तो ना कहने का साहस तो कर ही सकती थीं? निश्चय ही हत्या करने से ना कहना ज्यादा आसान है। धनाढ्य परिवार के केतन की तो अभी सगाई ही हुई थी, जिसे टाला भी जा सकता था। सिया के न चाहने पर परिवार के लोग केतन को खोने के बजाय रिश्ते को मन मारकर तोड़ देते।

निश्चय ही केतन व राजा रघुवंशी की सुनियोजित हत्याएं हमें परेशान करती हैं। भले ही ये घटनाएं इक्का-दुक्का हों, लेकिन समाज के विश्वास को गहरे तक खंडित करती हैं। कोई सोच भी नहीं सकता कि किसी मधुर रिश्ते का ऐसा खौफनाक अंत हो सकता है। जिस सिया के साथ सुनहरे जीवन के सपने केतन ने देखे होंगे, उस पर तब क्या बीती होगी, जब उसने सिया को उसे पहाड़ी से धक्का देते हुए देखा होगा? उसके मां-बाप पर क्या बीत रही होगी, जिन्होंने उसकी शादी के लिये शाही तैयारियां शुरू कर दी थीं। हमारे समाज में वैवाहिक रिश्तों में पैदा होने वाली हिंसा, टकराव, अलगाव और कोर्ट-कचहरी का ट्रेंड गंभीर स्थिति की ओर इशारा करता है। सवाल यह है कि नौ महीने कोख में रखने वाली मां और खून-पसीने से लालन-पालन करने वाले पिता के सोचे-विचारे फैसलों को नई पीढ़ी द्वारा क्यों खारिज किया जा रहा है? क्या समाज में दूषित खानपान, विषाक्त सोच का बाजार, रिश्तों में बढ़ता अविश्वास और एकाकी परिवारों का त्रास युवा पीढ़ी को आक्रामक बना रहा है? मोबाइल संस्कृति की घातकता व तेजी से फैलता नकारात्मक कंटेंट संबंधों में विकृतियां ला रहा है।

कैसे होगी भारतीय नागरिकों की पहचान?

(लेखक- सनत जैन)

भारत में जन्म-मृत्यु के पंजीकरण को अनिवार्य किया गया है। 1969 से यह कानून लागू है। भारत के सभी राज्यों में जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र का पंजीयन अनिवार्य है। इसके बाद भी उसे नागरिकता का प्रमाण पत्र नहीं माना जा रहा है। इसके पहले 1952 के प्रथम चुनाव के लिए मतदाता सूची तैयार की गई थी। मतदाता सूची के माध्यम से 21 वर्ष से ऊपर के नागरिकों का पंजीयन चुनाव आयोग द्वारा किया गया था। यह पंजीयन चुनाव आयोग के बीएलओ घर-घर जाकर करते थे। 1969 के बाद जन्म मृत्यु पंजीयन का कानून बनाया गया था। वही नागरिकता और उम्र का प्रमाण माना जाता था। पिछले वर्ष से चुनाव आयोग ने अपने ही बनाये गये मतदाता कार्ड को अमान्य बता दिया। एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग ने मतदाताओं की पहचान के लिए नागरिकता के लिए जो पहचान के दस्तावेज जरूरी बताए थे, उसे भी सुप्रीम कोर्ट, विदेश मंत्रालय और सरकार के विभिन्न निर्णय में नकार दिया गया है। कोई भी दस्तावेज नागरिकता का प्रमाण पत्र नहीं है। इसमें आधार कार्ड को भी शामिल किया गया है। ऐसी स्थिति में भारत के नागरिक हैं, इसको साबित करने के लिए कौन सा दस्तावेज है, इसका कोई उल्लेख ना तो चुनाव आयोग करता है। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट ने नागरिकता के प्रमाण स्वरूप कौन से दस्तावेज होंगे, इसका फैसला नहीं किया है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट का जो फैसला आया था, उसमें उन्होंने चुनाव आयोग की मतदाता सूची और मतदाता प्रमाण को भी नागरिकता का प्रमाण नहीं माना। आधार और पासपोर्ट भी नागरिकता के प्रमाण पत्र नहीं हैं। जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र भी नागरिकता का प्रमाण नहीं है। फिर कौन सा प्रमाण पत्र है, जिसे भारतीय नागरिक होने का प्रमाण माना जाए। इसको भारत सरकार भी नहीं बता पा रही है। ऐसा लग रहा है, पाकिस्तान एवं अन्य देशों से आकर भारतीय नागरिकता का प्रमाण पत्र हासिल कर सकते हैं। विदेश से आने वालों को केंद्रीय गृह मंत्रालय नागरिकता का प्रमाण पत्र देता है। भारत में ऐसा कोई दस्तावेज नहीं है, जो आपके भारत में जन्म और नागरिक होने का प्रमाण माना जाए।

75 सालों बाद यह स्थिति पहली बार चुनाव आयोग के कारण देखने को मिल रही है। अब सब जगह से एक ही आवाज सुनने को मिल रही है, हम कैसे प्रमाणित करें, हम भारतीय नागरिक हैं। अब तो यह भी कहा जाने लगा है, भारतीय नागरिक वही होगा, जो हिंदू हो, भारतीय जनता पार्टी का सदस्य हो। उसे ही भारत के नागरिक होने का प्रमाण मान लेना चाहिए। केंद्र सरकार ने जब जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र सारे देश में अनिवार्य किया था। इसका एक ही उद्देश्य था जन्म के साथ ही भारतीय तथा उम्र नागरिकता प्रमाणित हो जाए। आधार कार्ड को भी जब अनिवार्य किया गया था, हर नागरिक और बच्चों का इसमें पंजीयन कराना था। इसमें आंखों की पुतलियां और हाथ के छापे भी लगवाए गए थे। ताकि भारतीय नागरिकों का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार कराया जा सके। सरकार और सुप्रीम कोर्ट ने आधार के दस्तावेजों को नकार दिया है। भारत सरकार यह भी नहीं बता रही है, भारतीय नागरिक होने का ऐसा कौन सा प्रमाण पत्र है, जिसे भारतीय नागरिक के रूप में स्वीकार किया जा सके। यह स्थिति देश में पहली बार देखने को मिल रही है। लोग अभी यह कहने लगे हैं, विदेश से आकर भारतीय नागरिकता लेना और प्रमाणित करना आसान है, लेकिन आपकी कई पीढियां जिनका जन्म भारत में हुआ है, शिक्षा-दीक्षा, संपत्ति सब भारत में है, इसके बाद भी उसके पास भारतीय नागरिक होने का कोई प्रमाण नहीं है। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट जिस तरह से इस मामले में अपना पल्ला झाड़ रहे हैं। पासपोर्ट को लेकर कहा जाता है, भारत में मात्र दो फ़ीसदी लोगों के पासपोर्ट हैं। विदेश मंत्रालय ने भी कह दिया है, यह नागरिकता होने का प्रमाण पत्र नहीं है। नागरिकता के मामले में भारत सरकार और गृह मंत्रालय की चुप्पी आश्चर्यजनक है। उससे भी ज्यादा आश्चर्यजनक सुप्रीम कोर्ट का फैसला है। जिसने अपने फैसले में यह नहीं बताया भारतीय नागरिक होने के लिए कौन सा प्रमाण पत्र स्वीकार होगा। वर्तमान में नागरिकता को लेकर चुनाव आयोग ने रायता फैलाया है। उसके बाद से अब यह बहुत बड़ा विवादित मामला बन गया है।

भारत में अवैध गौण खनिज उत्खन मिलीभत?

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

खान और खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम,1957 में त्वरित संशोधन की आवश्यकता- विकास, पर्यावरण और अगली पीढ़ियों के भविष्य पर मंडराता संकट -समग्र व्यापक विश्लेषण भारत को खनिज संपन्न राष्ट्र से आगे बढ़कर खनिज संरक्षण और सतत विकास का वैश्विक मॉडल बनने की दिशा में ठोस कदम उठाने की त्वरित आवश्यकता खान और खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 में प्रशासनिक तंत्र, स्थानीय प्रभावशाली तत्वों, खनन माफिया और राजनीतिक संरक्षण के खिलाफ़ विशेष कठोर प्रावधान की आवश्यकता वैश्विक स्तरपर भारत प्राकृतिक संसाधनों की दृष्टि से विश्व के सबसे समृद्ध देशों में से एक रहा है। रेत, मुरुम, गिट्टी, पत्थर, मिट्टी और अन्य गौण खनिजों ने न केवल देश के निर्माण क्षेत्र को गति दी है बल्कि ग्रामीण और शहरी विकास की आधारशिला भी रखी है।किंतु पिछले कुछ दशकों में जिस तीव्र गति से इन संसाधनों का दोहन हुआ है, उसने एक गंभीर राष्ट्रीय संकट को जन्म दिया है। यह संकट केवल अवैध खनन तक सीमित नहीं है, बल्कि पर्यावरणीय विनाश, प्रशासनिक भ्रष्टाचार व राजनीतिक संरक्षण का सबसे बड़ा जीवंत उदाहरण राजस्व हानि और भविष्य की पीढ़ियों के अधिकारों से जुड़ा हुआ प्रश्न बन चुका है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र आम नागरिकों को बताना चाहूंगा कि भारत में खनन गतिविधियों का संचालन मुख्य रूप से खान और खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम,1957 (एमएमडीआर एक्ट) के तहत होता है।मेरा सुझाव है कि इसमें प्रशासनिक तंत्र, स्थानीय प्रभावशाली तत्वों,खनन माफिया और राजनीतिक संरक्षण के खिलाफ़ विशेष कठोर प्रावधान के उल्लेख की आवश्यकता है,क्योंकि अवैध खनन प्राय इन्हीं लोगों के इशारों या सलंग्नता में होता है यानें शासन प्रशासन व इस वर्ग के साथ यह खेला सुचारू रूप से चलता है। यह प्राय सभी लोगों को मालूम है लेकिन सभ मूक रहते हैं। बता दूं कि इस कानून के अनुसार गौण खनिजों के नियमन और प्रबंधन की जिम्मेदारी राज्य सरकारों को सौंपी गई है। राज्यों को अधिकार दिए गए कि वे स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार नियम बनाएं,पट्टे जारी करें, रॉयल्टी निर्धारित करें तथा अवैध उत्खनन पर कार्रवाई करें।सिद्धांत रूप से यह व्यवस्था अत्यंत प्रभावी दिखाई देती है,किंतु व्यवहार में अनेक राज्यों में स्थिति चिंताजनक है। कानून मजबूत हैं,नियम पर्याप्त हैं, दिशा निर्देश मौजूद हैं,लेकिन क्रियान्वयन अक्सर कमजोर पड़ जाता है।यही वह स्थान है जहां प्रशासनिक तंत्र, स्थानीय प्रभावशाली तत्वों,खनन माफिया और राजनीतिक संरक्षण के आरोप सामने आते हैं।देश के लगभग हर राज्य में समय-समय पर अवैध रेत खनन,नदी घाटों से चोरी, पहाड़ियों की कटाई और वन क्षेत्रों में अवैध उत्खनन की खबरें सामने आती रही हैं। कई मामलों में स्थानीय नागरिकों, पत्रकारों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और ईमानदार अधिकारियों ने इसका विरोध किया, लेकिन उन्हें दबाव, धमकियों और हिंसा तक का सामना करना पड़ा अभी हाल ही में महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में एक नायब तहसीलदार पर हमला इसी मामले की कड़ी है,यह स्थिति दर्शाती है कि अवैध खनन केवल आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि कानून के शासन और लोकतांत्रिक संस्थाओं के लिए भी चुनौती बन चुका है।

साथियों, महाराष्ट्र विधानसभा में गुरुवार 25 जून 2026 को राजस्व मंत्री द्वारा प्रस्तुत जानकारी महाराष्ट्र विधानमंडल के पावसाळी अधिवेशन (मानसून सेशन 2026) के चौथे दिन,विधानसभा में चर्चा के दौरान उन्होंने आधिकारिक घोषणाएं कीं और सीधे विधानसभा से लाइव आकर भी इसकी जानकारी साझा की, राज्य में हो रहे अवैध गौण खनिज उत्खनन को रोकने और अपराधियों पर मकोका/ एमपीडीए जैसी सख्त कार्रवाई के लिए एक स्वतंत्र टास्क फोर्स का गठन कियाजाएगा इसी व्यापक राष्ट्रीय समस्या की ओर संकेत करती है।सरकार ने स्पष्ट कहा कि अवैध खनन में लिप्त अधिकारियों के विरुद्ध निलंबन और विभागीय जांच की जाएगी। संयुक्त उड़नदस्ते बनाए जाएंगे,ड्रोन तकनीक का उपयोग होगा,अवैध परिवहन करने वाले वाहनों को जब्त किया जाएगा तथा जिलाधिकारियों को व्यापक अधिकार दिए जाएंगे। यह नीति और दृष्टिकोण निश्चित रूप से सराहनीय है। किंतु बड़ा प्रश्न यह है कि क्या इन आदेशों का धरातल पर कठोर और निरंतर क्रियान्वयन हो पाएगा ? क्योंकि भारत में समस्या कानूनों की कमी नहीं,बल्कि उनके निष्पक्ष और सटीकता से प्रभावी पालन की है।

साथियों, अवैध खनन का सबसे पहला और सबसे गंभीर प्रभाव पर्यावरण पर पड़ता है। जब नदियों से अनियंत्रित मात्रा में रेत निकाली जाती है, तो नदी की प्राकृतिक संरचना बिगड़ जाती है। नदी का तल गहरा होने लगता है, जलधारण क्षमता प्रभावित होती है और आसपास के भूजल स्तर में गिरावट आने लगती है। परिणामस्वरूप कुएं, हैंडपंप और बोरवेल सूखने लगते हैं। कई क्षेत्रों में किसानों को सिंचाई संकट का सामना करना पड़ता है। इस प्रकार कुछ लोगों के अल्पकालिक आर्थिकह लाभ के कारण संपूर्ण क्षेत्र का जल संतुलन बिगड़ जाता है।रेत केवल निर्माण सामग्री नहीं है;यह नदियों केपारिस्थितिकी तंत्र का अभिन्न अंग है। रेत नदी के प्रवाह को नियंत्रित करती है, तटों को स्थिर रखती है तथा अनेक जलीय जीवों के लिए आवास का कार्य करती है। जब इसका अत्यधिक उत्खनन होता है, तो नदी किनारों का कटाव बढ़ जाता है। कई स्थानों पर पुलों की नींव कमजोर हुई है, सड़कें क्षतिग्रस्त हुई हैं और नदी तटों पर बसे गांवों को खतरा उत्पन्न हुआ है। यह समस्या केवल वर्तमान की नहीं, बल्कि आने वाले दशकों तक प्रभाव डालने वाली बहुत गंभीर समस्या है।

साथियों अवैध खनन का दूसरा बड़ा प्रभाव जैव विविधता पर पड़ता है। नदी, पहाड़, वन और मिट्टी केवल खनिजों के भंडार नहीं हैं बल्कि हजारों जीव-जंतुओं और वनस्पतियों का घर हैं। जब बड़े पैमाने पर उत्खनन होता है, तो प्राकृतिक आवास नष्ट हो जाते हैं। पक्षियों के घोंसले,मछलियों के प्रजनन क्षेत्र,वन्यजीवों के आवागमन मार्ग और वनस्पतियों की प्राकृतिक श्रृंखला प्रभावित होती है। पर्यावरण वैज्ञानिक लगातार चेतावनी देते रहे हैं कि यदि यही स्थिति बनी रही तो कई स्थानीय प्रजातियां विलुप्ति के कगार पर पहुंच सकती हैं।भूमि क्षरण भी अवैध खनन की एक गंभीर समस्या है। जब पहाड़ियों और कृषि भूमि के आसपास बिना वैज्ञानिक अध्ययन के खनन किया जाता है, तो मिट्टी की उर्वरता घटती है। भूमि कटाव बढ़ता है और कई बार खेती योग्य क्षेत्र बंजर बन जाते हैं। ग्रामीण अर्थव्यवस्था, जो कृषि पर आधारित है, धीरे-धीरे कमजोर होने लगती है। इसका सीधा प्रभाव किसानों की आय, खाद्य सुरक्षा और ग्रामीण रोजगार पर पड़ता है।

साथियों, अवैध खनन का संबंध जलवायु परिवर्तन से भी जुड़ता जा रहा है। बड़े पैमाने पर भूमि विनाश, वन कटाई और पारिस्थितिक असंतुलन के कारण कार्बन अवशोषण की प्राकृतिक क्षमता घटती है। नदियों और जल स्रोतों के क्षरण से सूखे और बाढ़ जैसी चरम घटनाओं का खतरा बढ़ता है। आज भारत पहले ही जलवायु परिवर्तन की गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। ऐसे में अवैध खनन स्थिति को और अधिक जटिल बना सकता है।आर्थिक दृष्टि से भी यह एक राष्ट्रीय नुकसान है।अवैध खनन से सरकार को मिलने वाली रॉयल्टी और कर राजस्व का बड़ा हिस्सा चोरी हो जाता है।जो धन सार्वजनिक विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और जल परियोजनाओं में लगना चाहिए,वह कुछ लोगों की निजी संपत्ति में परिवर्तित हो जाता है।इस प्रकार अवैध खनन केवल पर्यावरण की चोरी नहीं बल्कि जनता केअधिकारों और सरकारी राजस्व की भी चोरी है।अक्सर देखा गया है कि अवैध खनन का नेटवर्क बहुत संगठित होता है। इसमें स्थानीय स्तर से लेकर बड़े आर्थिक हित जुड़े हो सकते हैं। कई बार रात के अंधेरे में नदी घाटों से रेत निकाली जाती है, नकली दस्तावेजों के माध्यम से परिवहन किया जाता है और बाजार में बेचा जाता है। यदि इस पूरी प्रक्रिया में प्रशासनिक निगरानी कमजोर हो या कुछ अधिकारी जानबूझकर आंखें मूंद लें, तो अवैध कारोबार फलता-फूलता रहता है। यही कारण है कि विशेषज्ञ केवल दंडात्मक कार्रवाई ही नहीं बल्कि जवाबदेही और पारदर्शिता बढ़ाने पर भी सटीकता से जोर देते हैं। साथियों महाराष्ट्र सरकार द्वारा ड्रोन निगरानी, संयुक्त जांच दल, ऑनलाइन मॉनिटरिंग और जिलाधिकारियों को विशेष अधिकार देने जैसी पहलें इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। आधुनिक तकनीक भ्रष्टाचार और मानव हस्तक्षेप को कम कर सकती है। ड्रोन सर्वेक्षण से वास्तविक उत्खनन क्षेत्र की निगरानी संभव है। जीपीएस आधारित वाहन ट्रैकिंग, ई-परमिट प्रणाली और उपग्रह चित्रों का उपयोग अवैध गतिविधियों को नियंत्रित करने में सहायक हो सकता है। किंतु तकनीक तभी सफल होगी जब उसके साथ राजनीतिक इच्छाशक्ति और प्रशासनिक ईमानदारी भी सटीकता से जुड़ी हो। साथियों, इस पूरे विषय का सबसे महत्वपूर्ण पहलू अंतरपीढ़ी न्याय अर्थात इंटरजनरेशनल जस्टिस है। पृथ्वी के प्राकृतिक संसाधन केवल वर्तमान पीढ़ी की संपत्ति नहीं हैं। इन पर आने वाली पीढ़ियों का भी समान अधिकार है। यदि वर्तमान पीढ़ी लालच, भ्रष्टाचार और अल्पकालिक लाभ के कारण प्राकृतिक संसाधनों को समाप्त कर देगी, तो भविष्य की पीढ़ियों के पास क्या बचेगा? उन्हें स्वच्छ नदियां,उपजाऊ भूमि,स्थिर पर्यावरण और पर्याप्त प्राकृतिक संसाधन उपलब्ध कराना हमारी नैतिक और संवैधानिक जिम्मेदारी है। कल्पना कीजिए कि यदि अगले 20 से 30 वर्षों तक वर्तमान गति से अवैध खनन चलता रहा तो कई नदियां अपने प्राकृतिक स्वरूप को खो सकती हैं।भूजल संकट और गहरा हो सकता है। निर्माण उद्योग के लिए आवश्यक खनिजों की कमी पैदा हो सकती है। पर्यावरणीय आपदाएं बढ़ सकती हैं। किसानों, मछुआरों और ग्रामीण समुदायों की आजीविका प्रभावित हो सकती है। यह केवल एक पर्यावरणीय संकट नहीं बल्कि सामाजिक और आर्थिक संकट भी होगा।

साथियों, समाधान केवल सरकार के पास नहीं है। नागरिक समाज, मीडिया, न्यायपालिका, स्थानीय समुदाय और जनप्रतिनिधियों को भी सक्रिय भूमिका निभानी होगी। प्रत्येक खनन पट्टे की जानकारी सार्वजनिक पोर्टल पर उपलब्ध होनी चाहिए। ग्राम सभाओं को निगरानी में शामिल किया जाना चाहिए। अवैध खनन की सूचना देने वालों को सुरक्षा और प्रोत्साहन मिलना चाहिए। पर्यावरणीय क्षति का वैज्ञानिक मूल्यांकन कर दोषियों से वास्तविक क्षतिपूर्ति वसूली जानी चाहिए।साथ ही विद्यालयों और महाविद्यालयों में प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाई जानी चाहिए।वास्तव में अवैध खनन का प्रश्न केवल रेत,मुरुम या पत्थर का प्रश्न नहीं है। यह सुशासन,पर्यावरणीय न्याय,कानून के शासन और राष्ट्र के भविष्य का प्रश्न है। यदि कानूनों का कठोरता से पालन हो, तकनीक का प्रभावी उपयोग हो, दोषियों पर निष्पक्ष कार्रवाई हो और राजनीतिक इच्छाशक्ति दृढ़ हो, तो इस समस्या पर काफी हद तक नियंत्रण पाया जा सकता है। लेकिन यदि मिलीभगत, भ्रष्टाचार और संरक्षण का चक्र चलता रहा, तो प्राकृतिक संसाधनों की यह लूट आने वाली पीढ़ियों के लिए एक ऐसे संकट को जन्म दे सकती है जिसकी भरपाई संभव नहीं होगी। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगेकि आज आवश्यकता केवल अवैध खनन रोकने की नहीं, बल्कि प्राकृतिक संसाधनों के प्रति राष्ट्रीय उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने की है। विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन स्थापित करना ही वास्तविक प्रगति है। अन्यथा अल्पकालिक लाभ के लिए किया गया यह अंधाधुंध दोहन भविष्य में जल, भूमि, जैव विविधता और खनिज संसाधनों के ऐसे संकट को जन्म देगा, जिसकी कीमत आने वाली पीढ़ियों को चुकानी पड़ेगी। यही समय है जब भारत को खनिज संपन्न राष्ट्र से आगे बढ़कर खनिज संरक्षण और सतत विकास का वैश्विक मॉडल बनने की दिशा में ठोस कदम उठाने होंगे।

महिलाओं में बढ़ता तंबाकू सेवन नई पीढ़ी और समाज के लिए गंभीर चेतावनी

देश में तंबाकू सेवन को लेकर सामने आए ताजा आंकड़े चिंता बढ़ाने वाले हैं। विशेष रूप से महिलाओं में तंबाकू सेवन की बढ़ती प्रवृत्ति समाज और स्वास्थ्य व्यवस्था दोनों के लिए गंभीर चुनौती बनती जा रही है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार देश के 13 राज्यों में महिलाओं द्वारा तंबाकू सेवन में वृद्धि दर्ज की गई है। यह स्थिति केवल महिलाओं के स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है बल्कि इसका प्रभाव परिवार बच्चों और आने वाली पीढ़ियों पर भी पड़ता है।

कांतिलाल मांडोत

जिस समाज में महिलाएं परिवार की आधारशिला मानी जाती हैं वहां उनका किसी भी प्रकार के नशे की ओर बढ़ना सामाजिक और स्वास्थ्य संबंधी कई नई समस्याओं को जन्म देता है। तंबाकू चाहे किसी भी रूप में लिया जाए वह शरीर के लिए अत्यंत हानिकारक होता है। बीड़ी सिगरेट गुटखा खैनी जर्दा हुक्का और अन्य धूम्रपान या चबाने वाले उत्पादों में मौजूद निकोटिन व्यक्ति को धीरे धीरे इसकी लत का शिकार बना देता है। शुरुआत में यह केवल एक आदत लगती है लेकिन समय के साथ यह व्यसन का रूप ले लेती है और व्यक्ति इसके बिना सामान्य महसूस नहीं कर पाता। महिलाओं में यह समस्या और अधिक गंभीर हो जाती है क्योंकि उनके शरीर की संरचना और जैविक आवश्यकताएं पुरुषों से अलग होती हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि तंबाकू सेवन महिलाओं में कई प्रकार की गंभीर बीमारियों का कारण बनता है। इससे मुंह का कैंसर गले का कैंसर फेफड़ों का कैंसर हृदय रोग उच्च रक्तचाप और श्वसन संबंधी बीमारियों का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। लगातार तंबाकू सेवन करने वाली महिलाओं में दांतों और मसूड़ों की समस्याएं भी तेजी से बढ़ती हैं। त्वचा समय से पहले बूढ़ी दिखाई देने लगती है और शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो जाती है। कई शोधों में यह भी पाया गया है कि तंबाकू का सेवन महिलाओं के हार्मोन संतुलन को प्रभावित करता है जिससे अनेक स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

गर्भवती महिलाओं के लिए तंबाकू का सेवन और भी खतरनाक माना जाता है। यदि गर्भावस्था के दौरान महिला तंबाकू का सेवन करती है तो इसका सीधा असर गर्भ में पल रहे शिशु पर पड़ता है। इससे समय से पहले प्रसव कम वजन वाले बच्चों का जन्म और शिशु के शारीरिक तथा मानसिक विकास में बाधा जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। कई मामलों में गर्भपात और नवजात शिशु की मृत्यु का जोखिम भी बढ़ जाता है। इसलिए महिलाओं को यह समझना होगा कि उनका स्वास्थ्य केवल उनका व्यक्तिगत विषय नहीं बल्कि पूरे परिवार और भविष्य की पीढ़ी से जुड़ा हुआ है।

महिलाओं में बढ़ते तंबाकू सेवन का एक बड़ा सामाजिक प्रभाव भी दिखाई देता है। बच्चे अपने माता पिता विशेष रूप से मां के व्यवहार से सबसे अधिक

सीखते हैं। यदि घर में मां तंबाकू का सेवन करती है तो बच्चों के मन में यह संदेश जाता है कि यह एक सामान्य और स्वीकार्य व्यवहार है। परिणामस्वरूप किशोरावस्था में बच्चे भी ऐसी आदतों को अपनाने लगते हैं। इस प्रकार एक व्यक्ति की बुरी आदत धीरे धीरे पूरे परिवार और समाज में फैल सकती है।

आज का युवा वर्ग पहले ही अनेक प्रकार के नशों और डिजिटल प्रभावों के बीच घिरा हुआ है। ऐसे में यदि परिवार के भीतर से ही तंबाकू सेवन का उदाहरण मिलता है तो नई पीढ़ी के लिए इससे दूर रहना और कठिन हो जाता है। युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति शिक्षा रोजगार और सामाजिक विकास पर नकारात्मक प्रभाव डालती है। इसलिए महिलाओं की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है कि वे अपने बच्चों और परिवार के लिए सकारात्मक उदाहरण प्रस्तुत करें।

ग्रामीण क्षेत्रों में तंबाकू सेवन की स्थिति अधिक चिंताजनक दिखाई देती है। आंकड़े बताते हैं कि ग्रामीण महिलाओं में तंबाकू सेवन की दर शहरी महिलाओं की तुलना में अधिक है। इसका एक कारण जागरूकता की कमी भी है। कई स्थानों पर आज भी तंबाकू को सामान्य जीवन शैली का हिस्सा माना जाता है और इसके दुष्परिणामों के बारे में पर्याप्त जानकारी लोगों तक नहीं पहुंच पाती। शिक्षा और स्वास्थ्य जागरूकता के माध्यम से इस सोच को बदलना आवश्यक है।

सरकार और स्वास्थ्य संस्थाएं लगातार तंबाकू नियंत्रण के लिए अभियान चला रही हैं। सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान पर प्रतिबंध चेतावनी संदेश और जनजागरूकता कार्यक्रम इसके उदाहरण हैं। इसके बावजूद यदि महिलाओं में तंबाकू सेवन बढ़ रहा है तो यह संकेत है कि समाज को और अधिक गंभीरता से इस दिशा में कार्य करने की आवश्यकता है। परिवार विद्यालय सामाजिक संगठन और स्वास्थ्य विभाग मिलकर ही इस चुनौती का सामना कर सकते हैं।

महिलाओं को यह समझना होगा कि तंबाकू किसी भी समस्या का समाधान नहीं है। तनाव चिंता या सामाजिक दबाव से बचने के लिए यदि कोई तंबाकू का सहारा लेता है तो वह वास्तव में अपने स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा रहा होता है। स्वस्थ जीवनशैली नियमित व्यायाम संतुलित आहार योग और सकारात्मक सामाजिक संबंध तनाव को दूर करने के कहीं बेहतर और सुरक्षित उपाय हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि हर महिला अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता दे और तंबाकू जैसे घातक व्यसन से पूरी तरह दूरी बनाए। जो महिलाएं पहले से इसका सेवन कर रही हैं उन्हें इसे छोड़ने का संकल्प लेना चाहिए। परिवार के सदस्य भी उन्हें सहयोग और प्रोत्साहन दें ताकि वे इस आदत से बाहर निकल सकें। तंबाकू छोड़ना कठिन अवश्य हो सकता है लेकिन असंभव नहीं है। दृढ़ इच्छाशक्ति और सही मार्गदर्शन से इस लत पर विजय पाई जा सकती है।

महिलाएं परिवार की धुरी होती हैं। उनका स्वस्थ रहना पूरे समाज के स्वस्थ भविष्य की गारंटी है। यदि महिलाएं तंबाकू से दूर रहेंगी तो न केवल उनका जीवन सुरक्षित होगा बल्कि आने वाली पीढ़ियां भी बेहतर स्वास्थ्य और सकारात्मक संस्कारों के साथ आगे बढ़ सकेंगी। बढ़ते तंबाकू सेवन के आंकड़े एक चेतावनी हैं जिन्हें गंभीरता से लेने की आवश्यकता है। यह केवल स्वास्थ्य का नहीं बल्कि समाज और राष्ट्र के भविष्य का भी प्रश्न है। इसलिए हर महिला को स्वयं जागरूक बनना होगा और अपने परिवार तथा समाज को भी तंबाकू मुक्त बनाने की दिशा में आगे आना होगा। तभी एक स्वस्थ सशक्त और जागरूक भारत का निर्माण संभव हो सकेगा।

मनेंद्रगढ़ मेडिकल कॉलेज का एनएमसी टीम ने किया निरीक्षण

निर्माण कार्य और स्वास्थ्य सुविधाओं का लिया जायजा, रिपोर्ट के बाद इसी सत्र से एमबीबीएस प्रवेश की बढ़ी उम्मीद

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज की तैयारियों का आकलन करने के लिए नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) की टीम ने विस्तृत निरीक्षण किया टीम ने मेडिकल कॉलेज के निर्माण कार्य, अस्थायी शैक्षणिक परिसर, संबद्ध अस्पताल, चिकित्सा उपकरण, मानव संसाधन तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। निरीक्षण के बाद अब एनएमसी की रिपोर्ट पर सबकी निगाहें टिकी हैं क्योंकि सकारात्मक रिपोर्ट मिलने पर इसी शैक्षणिक सत्र से एमबीबीएस पाठ्यक्रम में प्रवेश प्रक्रिया शुरू होने की संभावना है। निरीक्षण के दौरान एनएमसी अधिकारियों ने मेडिकल कॉलेज भवन के निर्माण की प्रगति का अवलोकन किया। साथ ही कक्षाओं, प्रयोगशालाओं, पुस्तकालय, सेमिनार हॉल और विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध अन्य शैक्षणिक सुविधाओं का भी निरीक्षण किया टीम ने यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया कि मेडिकल शिक्षा के लिए आवश्यक सभी बुनियादी मानकों का पालन किया जा रहा है या नही इसके अलावा अधिकारियों ने संबद्ध अस्पताल में मरीजों को दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की भी समीक्षा की अस्पताल में उपलब्ध डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ, तकनीकी कर्मचारियों, चिकित्सा उपकरणों और बेड क्षमता की जानकारी ली गई मेडिकल कॉलेज के संचालन के लिए आवश्यक फैकल्टी, प्रशासनिक स्टाफ और अन्य संसाधनों की उपलब्धता का भी मूल्यांकन किया गया। कॉलेज प्रबंधन ने निरीक्षण के दौरान एनएमसी टीम को मान्यता प्रक्रिया से जुड़े सभी आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराए अधिकारियों ने बताया कि आयोग द्वारा निर्धारित प्रारूप के अनुसार आवश्यक जानकारी और तकनीकी डेटा अपलोड करने की प्रक्रिया भी पूरी की जा रही है ताकि मान्यता संबंधी प्रक्रिया में किसी प्रकार की बाधा न आए। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार निरीक्षण के बाद एनएमसी टीम अपनी विस्तृत रिपोर्ट आयोग को सौंपेगी। यदि रिपोर्ट संतोषजनक पाई जाती है और आवश्यक अनुमति मिल जाती है तो मनेंद्रगढ़ मेडिकल कॉलेज में इसी शैक्षणिक सत्र से एमबीबीएस की सीटों पर प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ की जा सकती है मेडिकल कॉलेज के शुरू होने से एमसीबी जिले सहित सरगुजा संभाग के लोगों को उच्च स्तरीय चिकित्सा शिक्षा और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिलेगा स्थानीय विद्यार्थियों को मेडिकल शिक्षा के लिए बड़े शहरों की ओर पलायन नहीं करना पड़ेगा साथ ही क्षेत्र में विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता बढ़ने से स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में भी सुधार होने की उम्मीद है मेडिकल कॉलेज के संचालन से मनेंद्रगढ़ चिकित्सा शिक्षा के एक नए केंद्र के रूप में स्थापित हो सकेगा।

अवैध खनिज परिवहन मामले में एक सप्ताह बाद एफआईआर दर्ज

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले के पिछोर थाना क्षेत्र में अवैध खनिज परिवहन के खिलाफ की गई कार्रवाई के दौरान हुए विवाद के मामले में पुलिस ने घटना के एक सप्ताह बाद एफआईआर दर्ज की है खनिज निरीक्षक ऋषभ सिंह दीक्षित की शिकायत पर पुलिस ने मंगल लोधी सहित अन्य लोगों के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा डालने, अभद्र व्यवहार करने तथा सरकारी कार्रवाई में हस्तक्षेप करने के आरोप में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है घटना से जुड़ा एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है जिसकी पुलिस जांच कर रही है जानकारी के अनुसार यह पूरा मामला 19 जून 2026 का है खनिज निरीक्षक ऋषभ सिंह दीक्षित अपनी टीम के साथ पिछोर तहसील क्षेत्र में अवैध खनिज परिवहन के विरुद्ध अभियान चला रहे थे। इसी दौरान उन्हें खंडा (पत्थर) से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली मिली वाहन चालक से वैध रॉयल्टी रसीद और परिवहन संबंधी दस्तावेज मांगे गए लेकिन आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जा सके इसके बाद खनिज विभाग की टीम ने नियमानुसार ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर लिया। शिकायत के अनुसार जब्त वाहन को पुलिस बल की मौजूदगी में पिछोर थाने ले जाया जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में कुछ लोगों ने वाहन को रोकने का प्रयास किया आरोप है कि इन लोगों ने सरकारी कार्रवाई का विरोध करते हुए ट्रैक्टर-ट्रॉली को छुड़ाने की कोशिश की और मौके पर मौजूद खनिज विभाग के कर्मचारियों तथा पुलिसकर्मियों के साथ अभद्र व्यवहार किया। खनिज निरीक्षक ने अपनी शिकायत में बताया कि इस दौरान सरकारी कार्य में जानबूझकर बाधा उत्पन्न की गई आरोपियों में एक व्यक्ति की पहचान मंगल लोधी के रूप में हुई है जबकि अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है शिकायत के आधार पर पिछोर थाना पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 132, 296ए और 3(5) के तहत मामला दर्ज कर विवेचना प्रारंभ कर दी है।

सात माह की गर्भवती महिला की संदिग्ध मौत, परिजनों ने लगाया हत्या और दहेज प्रताड़ना का आरोप

शव रखकर थाने के बाहर किया चक्काजाम, पति और ससुराल पक्ष पर कार्रवाई की मांग

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले के पिछोर थाना क्षेत्र के ग्राम कालीपहाड़ी कईपई में सात माह की गर्भवती महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के बाद मामला तूल पकड़ गया मृतका के मायके पक्ष ने पति और ससुराल वालों पर दहेज प्रताड़ना, मारपीट और हत्या का गंभीर आरोप लगाते हुए गुरुवार शाम पिछोर थाने के बाहर शव रखकर चक्काजाम कर दिया करीब डेढ़ घंटे तक चले प्रदर्शन के दौरान परिजनों ने आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करने की मांग की जानकारी के अनुसार 25 वर्षीय सवनी जाटव का विवाह करीब तीन वर्ष पूर्व ग्राम कालीपहाड़ी कईपई निवासी दीपक जाटव से हुआ था। विवाह के बाद से ही सिवनी को दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित किए जाने का आरोप लगाया गया है सिवनी की दो वर्ष की एक बेटी है और वह सात माह की गर्भवती थी मृतका के परिजनों का आरोप है कि 22 जून को ससुराल में आयोजित एक पारिवारिक कार्यक्रम के दौरान किसी बात को लेकर विवाद हो गया था विवाद के दौरान सिवनी और उसके मायके पक्ष के लोगों के साथ मारपीट की गई परिजनों का दावा है कि सिवनी के पेट में कई बार लात मारी गई जिससे उसकी तबीयत लगातार बिगड़ती चली गई उनका कहना है कि इसी मारपीट के कारण गर्भ में पल रहे शिशु सहित सिवनी की मौत हो गई परिजनों को 24 जून को जिला अस्पताल शिवपुरी से सिवनी की मौत की सूचना मिली।

12वीं की छात्रा की संदिग्ध मौत में चार युवकों पर मामला दर्ज

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले के पिछोर थाना क्षेत्र में 12वीं कक्षा की छात्रा की संदिग्ध मौत के मामले ने नया मोड़ ले लिया है मृतका की मां की शिकायत पर पुलिस ने चार युवकों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है परिजनों का आरोप है कि छात्रा को लगातार मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था, जबकि मां ने यह आशंका भी जताई है कि उनकी बेटी की हत्या कर शव को फांसी पर लटकाया गया हो पुलिस का कहना है कि मामले की निष्पक्ष और गहन जांच की जा रही है जानकारी के अनुसार 17 वर्षीय शिल्पी लोधी, निवासी ग्राम पनिहारी, पिछोर में रहकर 12वीं की पढ़ाई कर रही थी वह तहसील मोहल्ला स्थित एक

किराए के कमरे में रहती थी बुधवार रात उसका शव कमरे में फांसी के फंदे पर मिला सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। गुरुवार को पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी की गई। मृतका की मां अंगूरी बाई लोधी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि घटना से कुछ घंटे पहले शिल्पी ने उन्हें फोन कर अपनी परेशानी बताई थी। शिकायत के अनुसार शिल्पी ने बताया था कि रामवीर लोधी, सत्यम लोधी, राहुल लोधी और सतीश लोधी नामक चार युवक लाइब्रेरी पहुंचे थे वहां उन्होंने उसका मोबाइल छीन लिया, सिम कार्ड तोड़ दिया और कथित रूप से उसे धमकाते हुए मानसिक रूप से प्रताड़ित किया। मां का कहना है कि शिल्पी ने यह भी बताया था कि ये युवक पहले भी उसे परेशान करते रहे थे परिजनों ने यह भी दावा किया कि घटना की शाम एक परिचित व्यक्ति ने शिल्पी को दो अन्य लोगों के साथ एक अपाचे बाइक पर जाते हुए देखा था इसी आधार पर मृतका की मां ने आशंका जताई है कि उनकी बेटी की मौत केवल आत्महत्या नहीं बल्कि हत्या भी हो सकती है।

पैतृक संपत्ति विवाद में जीजा ने की साले की हत्या

बसूले से गला रेतकर उतारा मौत के घाट, 48 घंटे में आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। जिले के कोटगांव में 35 वर्षीय युवक की गला रेतकर की गई हत्या का पुलिस ने 48 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है इस सनसनीखेज वारदात का आरोपी मृतक का सगा जीजा निकला, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया पुलिस ने आरोपी के कब्जे से हत्या में प्रयुक्त बसूला और घटना के समय पहने गए कपड़े भी बरामद किए हैं सोहागपुर एसडीओपी संजू चौहान ने शुक्रवार को मामले का खुलासा करते हुए बताया कि मृतक संजय उर्फ जितेंद्र मालवीय (35) निवासी कोटगांव की हत्या उसके जीजा घनश्याम मालवीय ने की थी। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि पैतृक संपत्ति और घरेलू विवाद को लेकर दोनों के बीच लंबे समय से तनाव चल रहा था। आरोपी के अनुसार संजय शराब के नशे में आए दिन विवाद करता था और घर में आग लगाने की धमकी भी देता था पुलिस के अनुसार 24 जून की रात दोनों के बीच फिर विवाद हुआ इसके बाद आरोपी संजय को बहाने से गांव के पास स्थित एक सुनसान और खंडहरनुमा मकान में ले गया वहां उसने बसूले से गर्दन पर कई वार कर उसकी हत्या कर दी और मौके से फरार हो गया।

नर्मदापुरम में चार घंटे झमाझम बारिश, रेलवे स्टेशन पर भरा पानी

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। जिले में मानसून की दस्तक के दूसरे दिन गुरुवार रात करीब चार घंटे तक लगातार बारिश हुई। रात 9 बजे से तड़के 2 बजे तक कभी तेज तो कभी हल्की बारिश का दौर चलता रहा करीब डेढ़ इंच हुई बारिश से लोगों को भीषण गर्मी और उमस से राहत मिली जबकि शुक्रवार सुबह मौसम साफ रहा और धूप खिली। मौसम विभाग ने अगले पांच दिनों तक जिले में हल्की से मध्यम बारिश के साथ तेज हवाएं चलने की संभावना जताई है इस वर्ष मानसून ने जिले में लगभग नौ दिन की देरी से प्रवेश किया है बुधवार को भी जिलेभर में अच्छी बारिश दर्ज की गई थी डोलरिया में सबसे अधिक 2.77 इंच, इटारसी में 2.50 इंच तथा नर्मदापुरम में 2.22 इंच वर्षा रिकॉर्ड की गई गुरुवार दिनभर धूप और उमस के बाद रात में मौसम बदला और तेज बारिश शुरू हो गई। मानसून की पहली ही तेज बारिश में नर्मदापुरम रेलवे स्टेशन की व्यवस्थाओं की पोल खुल गई प्लेटफॉर्म पर कई स्थानों पर पानी भर जाने से यात्रियों को आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ा। अमृत भारत योजना के तहत स्टेशन के विकास कार्य होने के बावजूद पहली बारिश में जलभराव की स्थिति बनने से निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे हैं। मौसम वैज्ञानिक अभिजीत चक्रवर्ती के अनुसार प्रदेश के पूर्वी, उत्तरी और दक्षिणी क्षेत्रों में ऊपरी हवाओं का चक्रवात सक्रिय है। इसके साथ ही एक ट्रफ लाइन पूर्वी और दक्षिणी हिस्सों से होकर महाराष्ट्र होते हुए अरब सागर तक गुजर रही है इन अनुकूल मौसमी परिस्थितियों के कारण आगामी दिनों में जिले में अच्छी बारिश की संभावना बनी हुई है। लगातार हो रही वर्षा से किसानों में भी उत्साह है विशेष रूप से सिवनी मालवा क्षेत्र में किसान सोयाबीन की बुवाई में जुट गए हैं लंबे इंतजार के बाद हुई अच्छी बारिश से खरीफ फसल की बुवाई को गति मिली है ।

डीएनए सबूत बना निर्णायक, दुष्कर्म के दोषी को उम्रकैद

पीड़िता और गवाह अदालत में मुकरे, फिर भी वैज्ञानिक साक्ष्य के आधार पर पॉक्सो कोर्ट ने सुनाई सजा

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम की विशेष पॉक्सो अदालत ने 16 वर्षीय नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में आरोपी को दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई है अदालत ने वैज्ञानिक साक्ष्य के रूप में प्रस्तुत डीएनए रिपोर्ट को सबसे महत्वपूर्ण आधार मानते हुए आरोपी बाबू उर्फ रंजीत यादव (21), निवासी आंखमऊ, को पॉक्सो एक्ट के तहत दोषी करार दिया न्यायालय ने आरोपी पर दो हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है यह मामला इसलिए भी चर्चा में रहा क्योंकि सुनवाई के दौरान पीड़िता और मुख्य गवाह अपने पूर्व बयानों से मुकर गए थे। इसके बावजूद अभियोजन पक्ष ने वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर अपना पक्ष मजबूती से रखा जिसे अदालत ने स्वीकार करते हुए दोषी को कड़ी सजा सुनाई घटना मई 2024 की है। आरोप है कि आरोपी ने 16 वर्षीय नाबालिग के साथ दुष्कर्म किया कुछ समय बाद पीड़िता की तबीयत बिगड़ने पर परिजन उसे उपचार के लिए डॉक्टर के पास ले गए चिकित्सकीय जांच में सामने आया कि वह चार माह की गर्भवती है इसके बाद मामले का खुलासा हुआ और पीड़िता के बयान के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्कालीन एसडीओपी पराग सैनी के निर्देशन में विस्तृत जांच की गई जांच के दौरान पुलिस ने पीड़िता, आरोपी और अन्य आवश्यक नमूनों का डीएनए परीक्षण कराया फोरेंसिक प्रयोगशाला से प्राप्त रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से पुष्टि हुई कि गर्भ में पल रहे भ्रूण का जैविक संबंध आरोपी से था यही वैज्ञानिक साक्ष्य पूरे मामले में सबसे महत्वपूर्ण प्रमाण बनकर सामने आया। ट्रायल के दौरान जब पीड़िता और अन्य प्रमुख गवाह अपने पुराने बयानों से पीछे हट गए, तब अभियोजन पक्ष की ओर से अतिरिक्त जिला अभियोजन अधिकारी लखन सिंह भवेदी ने अदालत में प्रभावी पैरवी की उन्होंने तर्क दिया कि गवाह विभिन्न कारणों से बयान बदल सकते हैं लेकिन वैज्ञानिक साक्ष्य निष्पक्ष और विश्वसनीय होते हैं अदालत ने इस दलील को स्वीकार करते हुए डीएनए रिपोर्ट को निर्णायक साक्ष्य माना विशेष पॉक्सो न्यायालय ने अपने निर्णय में कहा कि उपलब्ध वैज्ञानिक प्रमाण आरोपी के अपराध को सिद्ध करने के लिए पर्याप्त हैं इसके आधार पर अदालत ने आरोपी बाबू उर्फ रंजीत यादव को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास और दो हजार रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई ।

श्री सिद्धबाबा मंदिर में तीन दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। शहर के ऐतिहासिक एवं आस्था के प्रमुख केंद्र श्री सिद्धबाबा मंदिर में गुरुवार से तीन दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का भव्य शुभारंभ हुआ केदारनाथ धाम की तर्ज पर पुनर्निर्मित इस मंदिर में वैदिक विधि-विधान के साथ धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया जा रहा है महोत्सव के पहले ही दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर परिसर पहुंचे और पूजा-अर्चना कर भगवान का आशीर्वाद प्राप्त किया आयोजन को लेकर पूरे क्षेत्र में धार्मिक उत्साह का माहौल है। करीब एक शताब्दी से अधिक पुराने श्री सिद्धबाबा मंदिर का क्षेत्र में विशेष धार्मिक महत्व है वर्षों से यह मंदिर श्रद्धालुओं की गहरी आस्था का केंद्र रहा है समय के साथ मंदिर के पुनर्निर्माण की योजना बनाई गई जिसके तहत लगभग छह वर्ष पहले निर्माण कार्य शुरू हुआ अब यह कार्य पूर्ण हो चुका है और मंदिर को भव्य, आकर्षक एवं आधुनिक स्वरूप प्रदान किया गया है। मंदिर की वास्तुकला और डिजाइन में केदारनाथ धाम की झलक दिखाई देती है जो श्रद्धालुओं को विशेष रूप से आकर्षित कर रही है मंदिर समिति के अनुसार प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के दौरान वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए जा रहे हैं यज्ञ, हवन, पूजन और विशेष आराधना जैसे कार्यक्रमों में साधु-संतों एवं विद्वान आचार्यों की उपस्थिति रही श्रद्धालु पूरे श्रद्धा भाव से इन धार्मिक आयोजनों में भाग लेकर आध्यात्मिक वातावरण का अनुभव कर रहे हैं श्री सिद्धबाबा मंदिर केवल मनेंद्रगढ़ या छत्तीसगढ़ तक ही सीमित नहीं है बल्कि इसकी ख्याति मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश सहित कई अन्य राज्यों तक फैली हुई है। दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालु यहां दर्शन एवं पूजा-अर्चना कर अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति की कामना करते हैं स्थानीय लोगों का मानना है कि सच्चे मन से की गई प्रार्थना यहां अवश्य फलदायी होती है यही कारण है कि वर्षभर मंदिर में भक्तों का तांता लगा रहता है प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर मंदिर परिसर को रंग-बिरंगी रोशनी, फूलों और आकर्षक सजावट से भव्य रूप दिया गया है श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मंदिर समिति और प्रशासन की ओर से आवश्यक व्यवस्थाएं भी की गई हैं सुरक्षा, पेयजल, पार्किंग और प्रसाद वितरण सहित अन्य व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। तीन दिवसीय इस धार्मिक आयोजन का समापन विशेष महाआरती, भजन-कीर्तन और विशाल प्रसाद वितरण के साथ होगा मंदिर समिति ने अधिक से अधिक श्रद्धालुओं से आयोजन में शामिल होकर धार्मिक लाभ प्राप्त करने की अपील की है इस महोत्सव के माध्यम से मनेंद्रगढ़ का श्री सिद्धबाबा मंदिर एक बार फिर क्षेत्र की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान के रूप में चर्चा का केंद्र बन गया है।

पुलिस सैलरी पैकेज योजना बनी पुलिस परिवारों का सशक्त सहारा

मंडला में दिवंगत प्रधान आरक्षक के परिजन को मिली 1 करोड़ की बीमा सहायता

मीडिया ऑडीटर,भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा अपने अधिकारियों एवं कर्मचारियों के कल्याण हेतु संचालित पुलिस सैलरी पैकेज योजना कठिन समय में पुलिस परिवारों के लिए मजबूत सहारा बनकर उभर रही है इसी क्रम में मंडला में पदस्थ दिवंगत कार्यवाहक प्रधान आरक्षक के परिजनों को भारतीय स्टेट बैंक की पुलिस सैलरी पैकेज योजना के अंतर्गत 1 करोड़ रुपये की बीमा सहायता राशि प्रदान की गई। 35वीं वाहिनी मंडला में पदस्थ स्वर्गीय कार्यवाहक प्रधान आरक्षक मुकेश बंसकार का सर्पदंश के कारण निधन हो गया था उनके निधन के बाद उनके वेतन खाते को भारतीय स्टेट बैंक शाखा मंडला में पुलिस सैलरी पैकेज योजना से जोड़ा गया होने के कारण योजना के तहत नामांकित उत्तराधिकारी उनकी पत्नी रजनी बंसकार को दुर्घटना मृत्यु बीमा के रूप में 1 करोड़ रुपये की सहायता राशि प्रदान की गई इस अवसर पर सेनानी 35वीं वाहिनी मंडला राजेश रघुवंशी ने दिवंगत पुलिसकर्मी के परिजनों को उक्त राशि का चेक सौंपा उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग अपने कर्मचारियों और उनके परिवारों के कल्याण के लिए सदैव प्रतिबद्ध है और इस प्रकार की योजनाएं आपदा की स्थिति में परिवारों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करती हैं पुलिस सैलरी पैकेज योजना के अंतर्गत पुलिस कर्मियों को कई वित्तीय एवं बीमा संबंधी लाभ उपलब्ध कराए जाते हैं। इनमें 1 करोड़ रुपये तक का आकस्मिक मृत्यु बीमा, होम लोन पर विशेष रियायती ब्याज दरें नि:शुल्क डेबिट कार्ड सुविधा तथा परिवार के लिए अतिरिक्त आर्थिक सुरक्षा कवच शामिल हैं अधिकारियों के अनुसार यह योजना पुलिस बल के मनोबल को मजबूत करने के साथ-साथ उनके परिवारों को भविष्य के प्रति आर्थिक सुरक्षा भी प्रदान करती है विभाग ने कहा कि मध्यप्रदेश पुलिस हर परिस्थिति में अपने कर्मियों और उनके परिजनों के साथ खड़ी है और इस तरह की योजनाएं उसी प्रतिबद्धता का प्रमाण हैं यह सहायता राशि मिलने से दिवंगत आरक्षक के परिवार को बड़ी आर्थिक राहत मिली है और उन्होंने इसके लिए पुलिस विभाग एवं बैंक प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

ढाबे पर अलग-अलग ब्रांड के 1280 पाव बरामद,सागर में बिक रही थी अवैध शराब

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर में बांदरी थाना क्षेत्र में स्थित सौरभ ढाबा पर गुरुवार रात पुलिस ने कार्रवाई की। कार्रवाई में ढाबे से बड़ी मात्रा में शराब और नकद रुपए जब्त किए गए हैं। ढाबा संचालक समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, मुखबिर से सूचना मिली थी कि सौरभ ढाबा बांदरी में बड़ी मात्रा में अवैध शराब का संग्रहण और विक्रय किया जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम गठित कर कार्रवाई के लिए रवाना की गई। टीम ने बांदरी पहुंचकर ढाबे पर दबिश दी। पुलिस देख ढाबे पर अफरा-तफरी मच गई। शराब पी रहे लोग भागने लगे।

अलग-अलग ब्रांड के 1280 पाव जब्त: पुलिस ने तलाशी के दौरान ढाबे से अलग-अलग ब्रांडों की 1280 पाव देशी और अंग्रेजी शराब, 198 बीयर केन कुल 1478 पाव (338.58 बल्क लीटर) अवैध शराब जब्त की। साथ ही शराब विक्रय से प्राप्त 9.20 लाख रुपए नकद बरामद हुए। कार्रवाई में आरोपी सौरभ साहू (32) निवासी बांदरी और सुमित राय (22) निवासी पिठौरिया को गिरफ्तार किया गया। बांदरी थाना प्रभारी सुमेर सिंह जगेत ने बताया कि दो लोगों पर आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच में लिया है। आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

खरगोन में अनियंत्रित बल्कर ने 4 वाहनों को टक्कर मारी,कॉलोनी की बाउंड्रीवाल में घुसा, बड़ा हादसा टला

मीडिया ऑडीटर, खरगोन (निप्र)। खरगोन में कसरावद रोड स्थित सुखपुरी क्षेत्र में गुरुवार को एक बड़ा हादसा टल गया। एक तेज रफ्तार बल्कर वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े चार वाहनों को टक्कर मारते हुए कॉलोनी की बाउंड्रीवाल से जा टकराया। इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। हादसे में दो बाइक, एक कार और एक टिनशेड को नुकसान पहुंचा है। यह घटना सुबह 10 बजे हुई थी, जिसका वीडियो गुरुवार शाम को सामने आया। वीडियो में ड्राइवर लापरवाही से वाहन चलाते हुए दिख रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कसरावद की ओर से आ रहा बल्कर वाहन क्रमांक एपी 16 टीए 6086 अचानक अनियंत्रित हो गया। इसने सड़क किनारे खड़ी एक कार और तीन दोपहिया वाहनों को टक्कर मारी, फिर एक बिजली के खंभे को भी रौंद दिया। अंत में, बल्कर वाहन एमपी पावर ट्रांसमिशन कंपनी की आवासीय कॉलोनी की बाउंड्रीवाल में जा घुसा। पुलिस शिकायत के आधार पर मामले की जांच कर रही है। स्थानीय लोगों और दुकानदारों ने बताया कि मेनगांव से सुखपुरी के बीच का यह मार्ग हादसों का खतरनाक बनता जा रहा है। उनके अनुसार, सड़क निर्माण के बाद दोनों ओर के किनारों (साइड शोल्डर) पर मिट्टी की फिलिंग न होना हादसों की मुख्य वजह है। सड़क और जमीन के बीच अंतर होने के कारण वाहन संतुलन खो देते हैं, जिससे बारिश में फिसलन के दौरान दुर्घटनाओं का खतरा और बढ़ जाता है।

पल्स पोलियो अभियान 2026 : विदिशा जिले में 1,815 बूथों पर होगा विशेष टीकाकरण अभियान

28 से 30 जून तक चलेगा पल्स पोलियो अभियान, 3,630 वैक्सीनेटर एवं 202 सुपरवाइजर किए गए तैनात

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। विदिशा जिले में 28 जून से 30 जून 2026 तक आयोजित होने वाले पल्स पोलियो अभियान की तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। अभियान के तहत जिले के शून्य से पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने के लिए व्यापक स्तर पर व्यवस्थाएं की गई हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा अभियान के सफल संचालन हेतु जिले के सभी विकासखंडों में बूथों, वैक्सीनेटरों एवं सुपरवाइजरों की तैनाती सुनिश्चित की गई है। जिला स्तर पर निर्धारित लक्ष्य के अनुसार कुल 2 लाख 23 हजार 512 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी। इसके लिए जिले में 1,317 बी-टाइप बूथ, 439 सी-टाइप बूथ, 39 ट्रांजिट बूथ तथा 20 मोबाइल बूथ स्थापित किए जाएंगे। इस प्रकार जिले में कुल 1,815 बूथों के माध्यम से बच्चों तक पहुंच बनाई जाएगी। अभियान के संचालन के लिए 3,630 वैक्सीनेटर तथा 202 सुपरवाइजर नियुक्त किए गए हैं।

विकासखंडवार लक्ष्य एवं व्यवस्थाएं: सिरोंज विकासखंड में सर्वाधिक 34,311 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यहां 295 बूथ, 590 वैक्सीनेटर तथा 40 सुपरवाइजर तैनात किए गए हैं। वहीं नटेरन और विदिशा ग्रामीण में 225-225 बूथों की व्यवस्था की गई है। बसौदा ग्रामीण में 28,114 बच्चों के लक्ष्य के लिए 237 बूथ, विदिशा शहरी में 26,059 बच्चों के लिए 205 बूथ तथा कुरवाई में 24,610 बच्चों के लिए 202 बूथ बनाए गए हैं। लटेरी में 160, ग्यारसपुर में 176 तथा बसौदा शहरी में 90 बूथ स्थापित किए जाएंगे।

ट्रांजिट एवं मोबाइल बूथों पर विशेष फोकस: अभियान के दौरान बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन एवं अन्य आवागमन स्थलों पर ट्रांजिट बूथ स्थापित किए जाएंगे ताकि यात्रा कर रहे परिवारों के बच्चों को भी पोलियो की खुराक से वंचित न रहना पड़े। इसके अलावा दूरस्थ एवं विशेष क्षेत्रों तक पहुंचने के लिए मोबाइल बूथों की भी व्यवस्था की गई है।

प्रशासन की अपील: स्वास्थ्य विभाग एवं जिला प्रशासन ने जिले के सभी अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने पांच वर्ष तक की आयु के बच्चों को नजदीकी पोलियो बूथ पर अवश्य ले जाएं तथा पोलियो की दो बूंद पिलाकर उन्हें इस गंभीर बीमारी से सुरक्षित करें। अधिकारियों ने कहा है कि पोलियो मुक्त भारत के संकल्प को बनाए रखने में प्रत्येक नागरिक की भागीदारी महत्वपूर्ण है। पल्स पोलियो अभियान के माध्यम से जिले के प्रत्येक पात्र बच्चे तक पहुंच बनाकर उसे जीवनरक्षक पोलियो खुराक प्रदान करने का लक्ष्य रखा गया है, जिसके लिए स्वास्थ्य विभाग की टीम पूरी तत्परता से कार्य कर रही है।

नर्मदापुरम में रात में 4 घंटे डेढ़ इंच बारिश

रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म पर पानी भरा,मौसम विभाग ने जताई पांच दिनों तक बारिश की संभावना

मीडिया ऑडीटर,नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम जिले में मानसून की दस्तक के दूसरे दिन गुरुवार रात भी बारिश हुई। रात 9 बजे से 2 बजे तक कभी तेज तो कभी धीमी रफ्तार से बारिश होती रही। बारिश होने से लोगों को गर्मी और उमस से राहत मिली। वहीं, शुक्रवार सुबह से मौसम साफ है और धूप निकली है। मौसम वैज्ञानिकों ने अगले पांच दिनों तक लगातार बारिश की संभावना जताई है। इस दौरान हल्की से मध्यम बारिश के साथ तेज रफ्तार हवाएं भी चल सकती हैं।

जिले में इस बार मानसून ने 9 दिन की देरी से जोरदार दस्तक दी है। बुधवार को जिलेभर में अच्छी बारिश हुई थी। सबसे ज्यादा बारिश डोलरिया में 2.77 इंच और इटारसी में 2.50 इंच दर्ज की गई। वहीं, नर्मदापुरम में 2.22 इंच बारिश हुई। गुरुवार को दिनभर मौसम साफ रहा। धूप निकलने से गर्मी और उमस बनी रही। शाम के समय हल्के बादल छाए और रात 9 बजे से बारिश शुरू हो गई।

प्लेटफॉर्म पर भरा पानी, यात्रियों को हुई परेशानी: मानसून की पहली बारिश में ही नर्मदापुरम रेलवे स्टेशन के हालात बिगड़ गए। प्लेटफॉर्म पर जगह-जगह पानी भर गया, जिससे यात्रियों को आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ा।

अमृत भारत योजना के तहत रेलवे स्टेशन का विकास किया गया है। पहली ही बारिश में प्लेटफॉर्म पर पानी भरने से ठेकेदार और जिम्मेदार अधिकारियों की कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में आ गई है।

ऊपरी हवाओं का चक्रवात बना, ट्रफ लाइन भी गुजर रही

मौसम वैज्ञानिक अभिजीत चक्रवर्ती ने बताया कि प्रदेश के पूर्वी, उत्तरी और दक्षिणी हिस्सों में ऊपरी हवाओं का चक्रवात बना हुआ है। एक ट्रफ लाइन पूर्व और दक्षिण के हिस्सों से होकर महाराष्ट्र होते हुए अरब सागर तक निकली है। मानसून के अनुकूल मौसम बनने के कारण आगामी दिनों में भी जिले में भारी बारिश की संभावना बनी हुई है। इस दौरान तेज हवाएं भी चल सकती हैं।

सोयाबीन की बोवनी में जुटे किसान

बुधवार और गुरुवार को हुई जोरदार बारिश से किसानों के चेहरे खिल उठे हैं। सिवनी मालवा क्षेत्र में किसान सोयाबीन की बोवनी में जुट गए हैं। लंबे समय से किसान अच्छी बारिश का इंतजार कर रहे थे।

शादी में गया शिक्षक परिवार, मकान से लाखों की चोरी

रायसेन में दीवार फांदकर घुसे बदमाश, जेवर और नकदी ले गए

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन शहर के यशवंत नगर में एक सरकारी शिक्षक के सूने मकान को चोरों ने निशाना बनाया। चोरों ने घर से करीब 9 से 10 लाख रुपए के सोने-चांदी के जेवरात और नकदी चुरा ली। शिक्षक का परिवार एक शादी समारोह में शामिल होने बाहर गया हुआ था। इसी दौरान चोर दीवार फांदकर घर में घुसे। उन्होंने मुख्य गेट और कमरों के दरवाजों की कुंडी तोड़ दी।

जानकारी के अनुसार, शिक्षक उमेश तिवारी 15 जून को अपनी साली की शादी में सिलवानी गए थे। गुरुवार रात जब वे परिवार सहित वापस लौटे, तो उन्हें मुख्य गेट की कुंडी टूटी मिली।

घर के भीतर दो कमरों के दरवाजे भी टूटे हुए थे और अलमारी खुली मिली, सामान बिखरा पड़ा था।

6 लाख के गहने और नकदी ले गए: घटना की सूचना तत्काल डायल-112 और कोतवाली पुलिस को दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल कर पंचनामा बनाया। पीड़ित शिक्षक उमेश तिवारी के अनुसार, चोर उनकी पत्नी के करीब 6 से 7 लाख रुपए के सोने-चांदी के जेवरात और एक लाख रुपए नगद सहित कुल 9 से 10 लाख रुपए का सामान चोरी कर ले गए।

कोतवाली पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और अज्ञात चोरों की तलाश शुरू कर दी है। हालांकि, जिस घर में चोरी हुई, वहां सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे थे।

पुलिस ने शहरवासियों से अपील की है कि घर को लंबे समय तक सूना छोड़ने पर इसकी सूचना थाना कोतवाली में दें। साथ ही, सुरक्षा के लिए अपने घरों में सीसीटीवी कैमरे अवश्य लगवाएं।

5 फीट लंबा घोड़ा पछाड़ सांप बिजली पोल में फंसा

6 घंटे बाद वन विभाग ने सुरक्षित रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ा

मीडिया ऑडीटर, इटारसी (निप्र)। शुक्रवार तड़के रेलवे के बारह बंगला स्थित बिजली कार्यालय के बाहर एक 5 फीट लंबा घोड़ा पछाड़ (इंडियन रैट स्नेक) सांप बिजली के पोल में फंसा हुआ मिला। यह सांप रात करीब 1:30 बजे पोल में फंसा था और बाहर निकलने के लिए संघर्ष कर रहा था। सुबह लगभग 7:30 बजे रेलवे टेक्नीशियन दिनेश मौर्य ने इसकी सूचना वन विभाग को दी। जानकारी मिलते ही वन परिक्षेत्र अधिकारी अभिषेक शर्मा के निर्देश पर वन्यजीव अभिरक्षक अभिजीत यादव और सर्पमित्र दीपक पवार की टीम मौके पर पहुंची। सांप को बिजली के पोल से सुरक्षित बाहर निकाला बचाव दल ने लगभग आधा घंटे तक सावधानीपूर्वक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया और सांप को बिजली के पोल से सुरक्षित बाहर निकाला। वन विभाग के अनुसार, यह इंडियन रैट स्नेक (घोड़ा पछाड़) प्रजाति का एक गैर-विषैला सांप है। यह आमतौर पर चूहों और छोटे जीवों का शिकार करता है और इंसानों के लिए खतरनाक नहीं माना जाता।

सागर में छाए बादल, हवाओं के साथ हुई बारिश

गर्मी से राहत मिली पारा 35 डिग्री पर आया, जिले में अब तक 2.2 इंच औसत वर्षा

मीडिया ऑडीटर,सागर (निप्र)। मध्य प्रदेश में मानसून की दस्तक के साथ ही सागर में प्री-मानसून गतिविधियां तेज हो गई हैं। जिले में बादल और बारिश का दौर जारी है। गुरुवार रात शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में गरज-चमक के साथ झमाझम बारिश हुई। वहीं शुक्रवार सुबह से आसमान में बादलों ने डेरा जमा रखा है। सुबह करीब 10 बजे फिर बारिश शुरू हो गई। रिमझिम बारिश से मौसम सुहावना हो गया और लोगों को उमसभरी गर्मी से राहत मिली। इस दौरान अधिकतम तापमान 35 डिग्री और न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस के आसपास दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 24 घंटों में जिले में बादल छाए रहने और अलग-अलग स्थानों पर बारिश होने की संभावना है।

सागर और जैसीनगर में 1 इंच बारिश: पिछले 24 घंटों में सागर शहर में करीब 1 इंच बारिश दर्ज की गई। इसके साथ ही जैसीनगर और खुरई में भी 1 इंच से अधिक बारिश हुई है। राहतगढ़, बीना, मालथौन और देवरी में भी बारिश की बौछारें पड़ी हैं। इस बारिश के मौसम में 1 जून से अब तक सागर जिले में 54.7 मिमी यानी 2.2 इंच औसत बारिश दर्ज की गई है।

बुधनी में 24 घंटों में 0.68 इंच बारिश दर्ज

सीहोर में 28-29 जून तक मानसून के आने की संभावना

भैरुंदा में सबसे ज्यादा 6.85 इंच बारिश

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले में मानसून की आधिकारिक दस्तक से पहले ही प्री-मानसून गतिविधियों ने मौसम का मिजाज बदल दिया है। भू-अभिलेख विभाग के आंकड़ों के अनुसार, पिछले 24 घंटों में जिले में औसतन 0.11 इंच बारिश दर्ज की गई है। 1 जून से अब तक जिले में कुल औसत 4.40 इंच बारिश हो चुकी है, जो पिछले साल की इसी अवधि में हुई 5.44 इंच बारिश से कम है।

मौसम विज्ञान विभाग ने बताया कि दक्षिण-पश्चिम मानसून तेजी से आगे बढ़ रहा है और मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में प्रवेश कर चुका है। सीहोर और आसपास के क्षेत्रों में अगले 48 से 72 घंटों, यानी 28-29 जून के भीतर, मानसून के पूरी तरह सक्रिय होने की प्रबल संभावना है। इसके बाद जिलेभर में भारी बारिश का दौर शुरू होने की उम्मीद है।

जून में जिले के विभिन्न क्षेत्रों में हुई बारिश: जिले के विभिन्न क्षेत्रों में हुई बारिश की बात करें तो 1 जून से अब तक भैरुंदा क्षेत्र में सबसे अधिक 6.85 इंच बारिश दर्ज की गई है। इसके बाद इछावर में 5.82 इंच और बुधनी में 5.78 इंच वर्षा रिकॉर्ड की गई है जिला मुख्यालय सीहोर में अब तक कुल 4.75 इंच बारिश हुई है, जबकि पिछले साल इसी अवधि में 4.26 इंच बारिश हुई थी। आष्टा क्षेत्र में कुल 3.34 इंच बारिश दर्ज की गई है, जिसमें पिछले 24 घंटों में हुई 0.04 इंच वर्षा शामिल है।

जावर में अब तक कुल 3.19 इंच बारिश हुई है, जिसमें बीते 24 घंटों की 0.07 इंच वर्षा शामिल है। रेहटी क्षेत्र में कुल 3.13 इंच पानी बरसा है, जहां पिछले 24 घंटों में 0.11 इंच बारिश दर्ज की गई। जिले के श्यामपुर क्षेत्र में इस सीजन में सबसे कम 2.33 इंच बारिश रिकॉर्ड की गई है।

ओंकारेश्वर में तेज बारिश से घाटों पर झरने जैसा नजारा

श्रद्धालु संभले, दुकानदारों ने सामान बचाया, नाविक 24 घंटे रहेंगे चौकन्ने

मीडिया ऑडीटर, ओंकारेश्वर (निप्र)। ओंकारेश्वर में हुई तेज बारिश से घाटों का दृश्य बदल गया। गोमुख घाट, ब्रह्मपुरी घाट और कोटितीर्थ घाट पर पानी का बहाव बढ़ गया, जिससे सीढ़ियां जलधारा में बदल गईं। कई श्रद्धालु एक-दूसरे का हाथ पकड़कर सावधानी से रास्ता पार करते दिखे। गोमुख घाट पर जलधारा का प्रवाह और तेज हो गया। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, यहां गोमुख से निकलने वाला जल भगवान शिव का निरंतर अभिषेक करता है। कई श्रद्धालुओं ने इस दृश्य को अपने मोबाइल कैमरों में कैद किया, जबकि कुछ ने बढ़ते बहाव को देखते हुए अतिरिक्त सावधानी बरती। नर्मदा का जलस्तर बढ़ने पर यह स्थिति और चुनौतीपूर्ण हो जाती है। मां रेवा माझी नाविक संघ के भोलाराम केवट ने बताया कि नाविक 24 घंटे शिफ्टवार नावों की निगरानी करते हैं। वे नावों पर ही रहकर भोजन करते हैं और पानी निकालने, रस्सियों को कसकर बांधने तथा नावों को सुरक्षित रखने में जुटे रहते हैं। नाविकों की यह सतर्कता केवल नावों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं करती, बल्कि घाट की पूरी व्यवस्था बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

रद्दी से भरे मकान में भीषण आग,डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद काबू पाया

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर शहर के बालागंज स्थित धनगर मोहल्ले में गुरुवा देर रात मकान में भीषण आग लग गई। यह घटना रात करीब 2:30 बजे हुई। सूचना मिलते ही नगर पालिका का दमकल दल और पुलिस मौके पर पहुंची। करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, जिस मकान में आग लगी थी, वहां बड़ी मात्रा में रद्दी, कचरा और अन्य कबाड़ का भंडारण किया गया था। ज्वलनशील सामग्री अधिक होने के कारण आग तेजी से फैली और उसने विकराल रूप ले लिया। इससे पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

दमकल को काबू पाने में डेढ़ घंटा लगा: आग लगते ही आसपास के लोगों ने अपने घर खाली कर दिए। स्थानीय रहवासियों ने शुरुआती तौर पर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग की तीव्रता अधिक होने के कारण वे सफल नहीं हो सके। इसके बाद दमकल विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर लगातार डेढ़ घंटे तक अभियान चलाकर आग पर नियंत्रण पाया।

स्थानीय लोगों ने मकान मालिक पर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि मकान मालिक को कई बार घर में रद्दी और कचरा जमा न करने की सलाह दी गई थी, लेकिन उसने इस पर ध्यान नहीं दिया। रहवासियों का मानना है कि यदि समय रहते कार्रवाई होती तो इस घटना को टाला जा सकता था।

आग पर पूरी तरह काबू पाने के बाद प्रशासन और पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। फिलहाल आग लगने के वास्तविक कारणों और घटना में हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि जांच पूरी होने के बाद ही आग लगने की वजह स्पष्ट हो पाएगी।

इंटर-स्टेट एथलेटिक्स: सिंधुश्री ने पोल वॉल्ट में नेशनल रिकॉर्ड बनाया

अनिमेष, उन्नथी ने भी एशियन गेम्स में जगह बनाई

भुवनेश्वर, एजेंसी। स्टार स्प्रिंटर्स, अनिमेष कुजूर और उन्नथी बोल्ल्मंडा ने गुरुवार को भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में 65वीं नेशनल सीनियर इंटर-स्टेट एथलेटिक्स चैंपियनशिप की 200 मीटर रेस में क्वालीफाइंग अंक हासिल करके जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियन गेम्स के लिए अपनी जगह पक्की कर ली। अनिमेष और उन्नथी ने ट्रैक पर जहां क्वालीफाइंग मार्क पार किया, वहीं सिंधुश्री ने महिलाओं की पोल वॉल्ट में 4.25 मीटर की रिकॉर्ड-ब्रेकिंग छलांग लगाकर नया नेशनल रिकॉर्ड बनाया। सिंधुश्री ने रोजी मीना पॉलराज के रिकॉर्ड में सुधार किया, जिन्होंने 15 अक्टूबर, 2022 को बेंगलुरु में इंडियन चैंपियनशिप में 4.21 मीटर की छलांग लगाई थी। सिंधुश्री के साथ बरानिका फ्लैंगोवन भी महिलाओं की पोल वॉल्ट में क्वालीफाइंग मार्क हासिल करके एशियन गेम्स के लिए जगह बनाई। उन्होंने गुरुवार को 4.20 मीटर की दूरी तय करके 19 सितंबर से शुरू होने वाले एशियन गेम्स के लिए जापान का टिकट बुक किया। निमेश कुजूर ने गुरुवार को पुरुषों की 200 मीटर सेमीफाइनल में 20.87 सेकंड का समय निकालकर एशियन गेम्स 2026 के लिए अपना टिकट बुक किया। बाद में, 200 मीटर फाइनल में, कुजूर ने 20.74 सेकंड में स्वर्ण पदक जीता और पहला स्थान हासिल किया। इसी तरह की महिलाओं की 200 मीटर रेस में, उन्नति बोल्ल्मंडा ने 23.658 सेकंड का समय निकालकर शानदार प्रदर्शन करते हुए एशियन गेम्स 2026 के लिए अपनी जगह पक्की की। हरिता ने महिलाओं की 200 मीटर रेस में 23.55 सेकंड का समय निकालकर एशियन गेम्स के लिए अपना टिकट बुक किया। ज्योति याराजी के क्वालीफाइंग मार्क बनाने के एक दिन बाद, तेजस शिरसे ने नेशनल इंटर-स्टेट सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पुरुषों की 110 मीटर हर्डल्स रेस (बाधा दौड़) में 13.43 सेकंड का समय लेकर एशियन गेम्स के लिए क्वालीफाई किया।

फीफा वर्ल्ड कप

रोमांचक मुकाबले में अमेरिका को 3-2 से हराया

तुर्किये का दमदार प्रदर्शन

लॉस एंजिल्स, एजेंसी। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप डी के आखिरी मुकाबले में तुर्किये ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मेजबान अमेरिका को 3-2 से हराया। हालांकि, तुर्किये पहले ही नॉकआउट की दौड़ से बाहर हो चुका था, लेकिन टीम ने जीत के साथ अपने अभियान का शानदार अंत किया। अमेरिका पहले ही ग्रुप डी में पहले स्थान पर रहते हुए राउंड ऑफ 32 में अपनी जगह बना चुका है। ग्रुप में पहला स्थान पक्का होने के कारण अमेरिकी कोच मौरिसियो पोचेटिनो ने अपनी टीम में कई बदलाव किए। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलने वाली टीम की तुलना में उन्होंने 9 खिलाड़ियों को आराम दिया। वहीं, तुर्किये के खिलाड़ी सम्मान के लिए मैदान पर उतरे और पूरे मैच में शानदार जज्बा दिखाया। मैच की शुरुआत अमेरिका के लिए बेहतरीन रही। 2 मिनट और 13 सेकंड में ऑस्टन ट्रस्टी ने सेबेस्टियन बरहाल्टर के कॉर्नर पर शानदार गोल कर अमेरिका को 1-0 की बढ़त दिला दी। यह अमेरिका की ओर से वर्ल्ड कप इतिहास का दूसरा सबसे तेज गोल था। इससे पहले 2014 में क्लिंट डेम्पसी ने घाना के खिलाफ सिर्फ 30 सेकंड में गोल किया था। 0-1 से पिछड़ने के बाद तुर्किये ने शानदार वापसी की। सात मिनट बाद युवा स्टार अर्दा गुलर ने बारिस यिलमाज के साथ बेहतरीन तालमेल दिखाते हुए गोल दागकर स्कोर 1-1 कर दिया। इस गोल के साथ गुलर तुर्किये के लिए वर्ल्ड कप में गोल करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने। पहले हाफ में 30 मिनट के खेल के बाद तुर्किये ने दूसरा गोल कर मैच में फिर से बढ़त बना ली। एरेन एल्माली के शानदार पास को बारिस यिलमाज ने गोल में तब्दील करते हुए स्कोर 2-1 कर दिया। दूसरे हाफ की शुरुआत में ही अमेरिका ने एक बार फिर मुकाबले में वापसी की। 48वें मिनट में सेबेस्टियन बरहाल्टर ने बॉक्स के बाहर से शानदार लंबी दूरी का शॉट लगाया, जो गोलकीपर को छकाते हुए सीधा गोल पोस्ट में पहुंचा। इस गोल के साथ स्कोर 2-2 हो गया। बरहाल्टर ने इस मैच में एक गोल और एक असिस्ट किया। इसके साथ ही वह 1966 के बाद वर्ल्ड कप के एक ही मैच में गोल और असिस्ट करने वाले पहले अमेरिकी खिलाड़ी बने। उनका गोल इस टूर्नामेंट में अमेरिका का आठवां गोल भी था, जो किसी एक वर्ल्ड कप में टीम का नया रिकॉर्ड भी है। इसके बाद दोनों टीमों ने जीत के लिए लगातार हमले किए। अमेरिका के स्टार खिलाड़ी क्रिश्चियन पुलिसिक ने भी कई अच्छे मौके बनाए, लेकिन तुर्किये के डिफेंस ने दमदार प्रदर्शन किया। मुकाबला जब ड्रॉ की तरफ बढ़ता हुआ दिख रहा था, तभी स्टॉपेज टाइम के आठवें मिनट में कान अयहान ने निर्णायक गोल करते हुए तुर्किये की यादगार जीत पर मुहर लगा दी।

सिर्फ वैभव को मौका देने के लिए किसी को ड्रॉप नहीं कर सकते

आयरलैंड टी20 सीरीज से पहले बोले सितांशु कोटक

नई दिल्ली , एजेंसी। भारत और आयरलैंड के बीच दो मुकाबलों की टी20 सीरीज का आगाज शुक्रवार (26 जून) से होने जा रहा है। हर किसी की निगाहें इस बात पर टिकी हुई हैं कि 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी को पहले टी20 के लिए भारत की प्लेइंग इलेवन में मौका मिलता है या नहीं। वैभव को अंतिम एकादश में शामिल करने को लेकर बैटिंग कोच सितांशु कोटक का बयान सामने आया है। सितांशु कोटक का कहना है कि सिर्फ वैभव सूर्यवंशी को मौका देने के लिए टीम मैनजमेंट किसी को ड्रॉप नहीं करेगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस में बात करते हुए बैटिंग कोच ने कहा, मुझे पूरा भरोसा है कि उन्हें खुद की काबिलियत दिखाने के पर्याप्त मौके मिलेंगे। हालांकि, मुझे नहीं लगता कि सिर्फ उन्हें मौका देने के लिए हमें किसी ऐसे खिलाड़ी को बाहर कर देना चाहिए जो पहले से ही रन बना रहा हो। यह भी सही नहीं होगा। बैटिंग कोच ने आगे कहा, जाहिर है कि यह टीम मैनेजमेंट पर निर्भर करता है। हम इस मैच में क्या करने का प्लान बनाते हैं। यह एक अलग बात है। हालांकि, मुझे लगता है कि किसी को मौका देने और किसी दूसरे खिलाड़ी के साथ गलत करने के बीच बहुत पतली लाइन होती है। हालांकि, सितांशु कोटक ने वैभव सूर्यवंशी की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने वैभव को एक लाजवाब खिलाड़ी बताया। सितांशु ने आगे कहा, जो खिलाड़ी बीसीसीआई सिस्टम से अंडर 19, भारत ए और एमर्जिंग टूर्नामेंट खेलकर आया है, वो काफी हद तक भारतीय टीम के कल्चर को समझता है। तो ऐसा नहीं है कि उनके लिए बहुत कुछ अलग है। हालांकि, हमने उन्हें आनंद लेने की सलाह दी है। इसके साथ ही हमने उन्हें कहा है कि वह जो भी पूछना या बताना चाहें, वो बता सकते हैं।

उन्होंने कहा कि इस स्तर के खिलाड़ियों में आमतौर पर परिपक्वता, सही फैसले लेने की क्षमता और खेलने का इरादा बहुत अच्छा होता है। कोच के अनुसार, सबसे जरूरी बात यह है कि वैभव को यह महसूस होना चाहिए कि वह टीम का अहम हिस्सा हैं और उन्हें दूसरी टीमों की तरह इस टीम में भी खुलकर खेलने की आजादी मिली हुई है। ऐसा माहौल होना टीम के लिए बहुत फायदेमंद होता है।

विंबलडन: दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित टेनिस टूर्नामेंट के प्रमुख इवेंट और उनकी खासियतें

नई दिल्ली , एजेंसी। विंबलडन, टेनिस के खेल की दुनिया का सबसे पुराना और प्रतिष्ठित टूर्नामेंट। विंबलडन की शुरुआत 1877 में हुई थी। घास पर खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट में कई यादगार मुकाबले खेले जा चुके हैं, जो इतिहास के पन्नों में सुनहरे अक्षरों में दर्ज हो चुके हैं। आइए आपको बताते हैं कि विंबलडन में कितनी तरह के इवेंट खेले जाते हैं। पुरुष एकल- पुरुष एकल प्रतियोगिता टूर्नामेंट का सबसे चर्चित इवेंट माना जाता है। इसमें दुनिया के शीर्ष पुरुष खिलाड़ी भाग लेते हैं और पांच सेट के मुकाबले खेले जाते हैं। यह विंबलडन का सबसे प्रतिष्ठित खिताब माना जाता है। इस इवेंट में खिलाड़ियों के बीच अधिकतम पांच सेट तक मुकाबले चलते हैं। विजेता को प्रतिष्ठित सिल्वर गिल्ट दिया जाता है। महिला एकल- पुरुषों के बाद विंबलडन में महिला एकल इवेंट को खास अहमियत दी जाती है। इसमें दुनिया की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी भाग लेती हैं। इस इवेंट में खिलाड़ियों के बीच अधिकतम तीन सेट तक मुकाबला चलता है, जिसकी मदद से विजेता का फैसला होता है। महिला एकल का खिताब जीतने वाली खिलाड़ी को वीनस रोज वाटर डिश नामक एक खूबसूरत सिल्वर ट्रॉफी दी जाती है। पुरुष युगल- इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में एकल के बाद युगल मुकाबलों के इवेंट खेले जाते हैं। पुरुष युगल में दो खिलाड़ी मिलाकर एक टीम बनाते हैं, और एक मैच में कुल 4 खिलाड़ी शामिल होते हैं।

विमेंस टी20 वर्ल्ड कप: शेफाली वर्मा का तूफानी अर्धशतक

भारत ने बांग्लादेश को 5 विकेट से हराया

मैनचेस्टर, एजेंसी। भारत ने बांग्लादेश के खिलाफ विमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 के 23वें मुकाबले में 5 विकेट से जीत हासिल की। इसी के साथ विमेन इन ब्लू ने सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदों को कायम रखा है। 34 गेंदों में 53 रन की पारी खेलने वालीं शेफाली वर्मा को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। भारतीय टीम 4 में से 3 मैच जीतकर ग्रुप-ए की प्वाइंट्स टेबल में दूसरे पायदान पर है। विमेन इन ब्लू 28 जून को अपने अंतिम लीग मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया का सामना करेगी। ऑस्ट्रेलियाई टीम सभी चार मैच जीतकर शीर्ष पर है, जबकि साउथ अफ्रीका 3 में से 2 मैच जीतकर तीसरे पायदान पर है। बांग्लादेश 4 में से 2 मैच गंवाकर चौथे स्थान पर है। पाकिस्तान और नीदरलैंड खिताबी रेस से बाहर है। गुरुवार को एमिरेट्स ओल्ड ट्रैफर्ड में टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेशी टीम ने 8 विकेट खोकर 136 रन बनाए। बांग्लादेश ने महज 8 रन पर दिलारा अख्तर (4) का विकेट गंवा दिया था। इसके बाद शोभना मोस्तरी ने जुएरिया फिरदौस के साथ दूसरे विकेट के लिए 41 गेंदों में 51 रन की साझेदारी की। फिरदौस 31 गेंदों में 5 चौकों के साथ 33 रन बनाकर पवेलियन लौटीं, जिसके बाद कप्तान निगार सुल्ताना ने मोर्चा संभाला। उन्होंने शोभना (22) के साथ तीसरे विकेट के लिए 20 रन, जबकि शर्मिन अख्तर (10) के साथ चौथे विकेट के लिए 27 रन की साझेदारी करते हुए बांग्लादेश को शतक के पार पहुंचा दिया। निगार 27 गेंदों में 4 चौकों के साथ 32 रन बनाकर आउट हुई। भारत की तरफ से राधा यादव ने 28 रन देकर 3 विकेट निकाले, जबकि श्री चरणी ने 2 विकेट हासिल किए। रेणुका ठाकुर और नंदिनी शर्मा ने 1-1 विकेट अपने नाम किया। इसके जवाब में भारतीय टीम ने 16.5 ओवरों में जीत हासिल कर ली। स्मृति मंधाना ने शेफाली वर्मा के साथ पहले विकेट के लिए 18 गेंदों में 31 रन की साझेदारी की।

मनप्रीत सिंह: भारत के लिए सबसे अधिक मैच खेलने वाले हॉकी खिलाड़ी

41 साल बाद देश को दिलाया ओलंपिक पदक

नई दिल्ली , एजेंसी। मनप्रीत सिंह की गिनती भारतीय हॉकी मेंस टीम के दिग्गज खिलाड़ियों में की जाती है। अपने इंटरनेशनल करियर में मनप्रीत उन उपलब्धियों को अपने नाम कर चुके हैं, जिसका सपना हर एक खिलाड़ी देखता है। मनप्रीत की कप्तानी में भारत ने साल 2021 (टोक्यो ओलंपिक 2020) में 41 साल का सूखा खत्म करते हुए ओलंपिक पदक जीता। मनप्रीत का जन्म 26 जून, 1992 को पंजाब के जालंधर के पास मौजूद मीठापुर गांव में हुआ। मनप्रीत के बड़े भाई हॉकी खिलाड़ी थे, तो शुरुआत से ही उनका मन इस खेल में रम गया। हालांकि, मनप्रीत की मां नहीं चाहती थीं कि वह इस खेल में अपनी पहचान बनाए। मनप्रीत की मां हॉकी को एक खतरनाक खेल मानती थीं। हालांकि, अपने जिद, लगन और कड़ी मेहनत के दम पर मनप्रीत परिवार का विश्वास भी जीतने में सफल रहे। इसके बाद उनका दाखिला जालंधर परिवार ने सुरजीत हॉकी अकादमी में कराया और इसके बाद मनप्रीत ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। घरेलू स्तर पर अपने प्रदर्शन से धूम मचाने के बाद मनप्रीत ने टीम इंडिया की जर्सी में भी खूब नाम कमाया। साल 2014 में एशियाई खेलों में भारतीय टीम को स्वर्ण पदक दिलाने में मनप्रीत का अहम रोल रहा। इसके अलावा 2017 में हुए एशिया कप में भी उनका प्रदर्शन दमदार रहा। 2023 और 2024 में हुए एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में भी मनप्रीत ने अपने दमदार खेल के बूते भारतीय टीम को शानदार जीत दिलाई।

एफआईएच प्रो लीग: शूटआउट में इंग्लैंड ने भारत को 4-1 से हराया

लंदन , एजेंसी। एफआईएच प्रो लीग 2025-26 में भारतीय मेंस हॉकी टीम को इंग्लैंड के खिलाफ शूटआउट में 1-4 से हार का सामना करना पड़ा। ली वैली हॉकी एंड टेनिस सेंटर में चार क्वार्टर के बाद स्कोर 2-2 से बराबर रहा, लेकिन शूटआउट में इंग्लिश टीम बाजी मारने में सफल रही। भारत के लिए दिलप्रीत सिंह (10वें और 58वें मिनट) ने शानदार दो गोल किए, जबकि इंग्लैंड के लिए डेविड गुडफील्ड (29वें मिनट) और निकोलस बंदुरक (56वें मिनट) ने गोल दागे। मेजबान टीम के लिए शूटआउट में थॉमस सोर्सबी, जेम्स एल्बेरी और कप्तान जैकरी वालेस ने गोल दागे, इसके अलावा एक कोशिश से पेनल्टी स्ट्रोक मिला, जिस पर भी वालेस ने गोल किया। पहला हाफ थोड़ा मुश्किल भरा रहा, लेकिन इसके बावजूद दोनों टीमों ने गोल किए और कुछ मौके बनाए। भारत ने पहले क्वार्टर की शानदार शुरुआत की। टीम को शुरुआत में ही पेनल्टी कॉर्नर मिला। हालांकि, कप्तान हरमनप्रीत सिंह की ड्रैगफ्लिक को इंग्लिश गोलकीपर जेम्स मजारेलो ने बचा लिया। इंग्लैंड को भी पांचवें मिनट में दूसरी तरफ पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन बंदुरक की कोशिश को भारतीय डिफेंस ने रोक दिया। पहला गोल 10वें मिनट में हुआ जब मंदीप सिंह ने बेसलाइन पर ड्रिबल किया और दिलप्रीत सिंह को एकदम सही पास दिया, जिन्होंने डाइविंग फिनिश के साथ गेंद को गोल पोस्ट में डालकर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। दूसरे क्वार्टर में भारत अपनी बढ़त बढ़ाने के करीब आ गया था जब पेनल्टी कॉर्नर से अमनदीप लाकड़ा के ड्रैगफ्लिक को गोल लाइन पर सोर्सबी ने बहादुरी से बचा लिया। 29वें मिनट में इंग्लैंड ने गुडफील्ड के फील्ड गोल की मदद से स्कोर को 1-1 से बराबर कर दिया। गेंद डिफ्लेक्शन के बाद सर्कल के बीच में एक अनमार्क्ड गुडफील्ड के पास उछली, और उन्होंने एक जोरदार वॉली मारकर मेजबान टीम के लिए बराबरी का गोल किया। तीसरे क्वार्टर में दोनों टीमों के डिफेंस ने दमदार खेल दिखाया और कोई गोल नहीं हो सका। पेनल्टी कॉर्नर और फील्ड-गोल के कई मौके बने, लेकिन किसी भी टीम को सफलता हाथ नहीं लग सकी। चौथे क्वार्टर की शुरुआत में बंदुरक को दूर पोस्ट पर बिल्कुल खाली जगह मिल गई थी, लेकिन भारतीय गोलकीपर सूरज करकेरा ने शानदार बचाव करते हुए गोल होने से रोक दिया और टीम को मैच में बनाए रखा। इसके बाद इंग्लैंड ने लगातार गेंद पर कब्जा बनाए रखा, लेकिन भारतीय खिलाड़ियों ने अपना मजबूत डिफेंस बनाए रखा।

छत्तीसगढ़ में अब बिना लोकेशन ट्रैकिंग सिस्टम वाली यात्री बसों पर होगी कार्रवाई

परिवहन सचिव ने ली बस संचालको एवं अधिकृत वेंडरों की बैठक

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ में यात्री सुरक्षा को और मजबूत बनाने के लिए परिवहन विभाग ने बड़ा फैसला लिया है। अब सभी यात्री बसों में वाहन लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस (वीएलटीडी) लगाना और उसे सक्रिय रखना अनिवार्य होगा। निर्धारित समय सीमा के भीतर नियम का पालन नहीं करने वाले बस संचालकों के खिलाफ मोटरयान अधिनियम, 1988 के तहत कार्रवाई की जाएगी। परिवहन सचिव एवं परिवहन आयुक्त श्री एस. प्रकाश ने आज इंद्रावती भवन नवा रायपुर स्थित परिवहन कार्यालय में सभी बस संचालकों एवं विभाग द्वारा वीएलटीडी लगाने हेतु अधिकृत वेंडरों की संयुक्त बैठक लेकर यात्री बसो में स्थापित वाहन लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने कहा है कि जिन बसों में अभी तक वाहन लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस (वीएलटीडी) नहीं लगी है, उनमें 15 दिनों के भीतर इसे अनिवार्य रूप से स्थापित किया जाए। वहीं जिन बसों में यह उपकरण लगा हुआ है लेकिन संचालित नहीं है, उन्हें तत्काल चालू किया जाए। परिवहन विभाग के अनुसार वर्ष 2025 में राजस्थान के फलोदी और तेलंगाना के रंगारेड्डी में हुए भीषण सड़क हादसों के बाद सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों और भारत सरकार की गाइडलाइन के अनुरूप यह निर्णय लिया गया है। सार्वजनिक परिवहन में यात्रा करने वाली महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह व्यवस्था लागू की जा रही है। विभाग ने बताया कि राज्य मुख्यालय के कमांड एवं नियंत्रण केंद्र से सभी बसों की गतिविधियों पर नजर रखी जाएगी। उपग्रह आधारित ट्रैकिंग प्रणाली के माध्यम से यह पता लगाया जा सकेगा कि बस निर्धारित मार्ग पर चल रही है या नहीं तथा समय पर संचालन हो रहा है या नहीं। यात्रियों को भी संगवारी ऐप के जरिए बसों की वास्तविक समय की लोकेशन की जानकारी मिल सकेगी। अतिरिक्त परिवहन आयुक्त श्री डी. रविशंकर ने बताया कि राज्य के सभी जिलों में स्वचालित नंबर प्लेट पहचान कैमरे और बुद्धिमान यातायात प्रबंधन प्रणाली स्थापित की जा रही है। इससे नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों की तत्काल पहचान कर कार्रवाई की जा सकेगी उल्लेखनीय है कि वाहन लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस एक ऐसी उपग्रह आधारित प्रणाली है, जो वाहन की हर पल की स्थिति और लोकेशन की जानकारी नियंत्रण केंद्र तक पहुंचाती है। किसी भी आपात स्थिति में त्वरित सहायता उपलब्ध कराने में यह तकनीक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया है कि 15 दिन की मोहलत समाप्त होने के बाद नियमों की अनदेखी करने वाले बस संचालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।3 छत्तीसगढ़ में अब बिना लोकेशन ट्रैकिंग सिस्टम वाली यात्री बसों पर होगी कार्रवाई परिवहन सचिव ने ली बस संचालको एवं अधिकृत वेंडरों की बैठक रायपुर छत्तीसगढ़ में यात्री सुरक्षा को और मजबूत बनाने के लिए परिवहन विभाग ने बड़ा फैसला लिया है। अब सभी यात्री बसों में वाहन लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस (वीएलटीडी) लगाना और उसे सक्रिय रखना अनिवार्य होगा। निर्धारित समय सीमा के भीतर नियम का पालन नहीं करने वाले बस संचालकों के खिलाफ मोटरयान अधिनियम, 1988 के तहत कार्रवाई की जाएगी। परिवहन सचिव एवं परिवहन आयुक्त श्री एस. प्रकाश ने आज इंद्रावती भवन नवा रायपुर स्थित परिवहन कार्यालय में सभी बस संचालकों एवं विभाग द्वारा वीएलटीडी लगाने हेतु अधिकृत वेंडरों की संयुक्त बैठक लेकर यात्री बसो में स्थापित वाहन लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने कहा है कि जिन बसों में अभी तक वाहन लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस (वीएलटीडी) नहीं लगी है, उनमें 15 दिनों के भीतर इसे अनिवार्य रूप से स्थापित किया जाए। वहीं जिन बसों में यह उपकरण लगा हुआ है लेकिन संचालित नहीं है, उन्हें तत्काल चालू किया जाए। परिवहन विभाग के अनुसार वर्ष 2025 में राजस्थान के फलोदी और तेलंगाना के रंगारेड्डी में हुए भीषण सड़क हादसों के बाद सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों और भारत सरकार की गाइडलाइन के अनुरूप यह निर्णय लिया गया है। सार्वजनिक परिवहन में यात्रा करने वाली महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह व्यवस्था लागू की जा रही है। विभाग ने बताया कि राज्य मुख्यालय के कमांड एवं नियंत्रण केंद्र से सभी बसों की गतिविधियों पर नजर रखी जाएगी।

रामानुजनगर में श्रमिक जन संवाद कार्यक्रम का आयोजन, श्रमिकों को दी गई कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल, नवा रायपुर अटल नगर के सचिव के निर्देशानुसार मंडल अंतर्गत संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक पंजीकृत श्रमिकों तक पहुंचाने तथा श्रमिकों में जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आज सूरजपुर जिले के जनपद पंचायत रामानुजनगर के सामुदायिक भवन में श्रमिक जन संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कलेक्टर के निर्देशानुसार दूरस्थ एवं जनजातीय क्षेत्रों सहित विभिन्न वर्गों के श्रमिकों तक शासन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं प्रचार-प्रसार को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 120 से अधिक श्रमिकों ने सहभागिता कर विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम का आयोजन पूर्व मंडल अध्यक्ष श्री जय प्रकाश उपाध्याय, जनपद सदस्य श्री सुमित साहू तथा मनरेगा कार्यक्रम अधिकारी श्री पैकरा के आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर मंच के माध्यम से श्रमिकों से जनसंवाद स्थापित करते हुए श्रम पंजीयन के महत्व, पात्रता एवं लाभों की जानकारी दी गई। साथ ही पात्र श्रमिकों को श्रम पंजीयन कार्ड का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम के दौरान मंडल द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत हितग्राहियों को सांकेतिक रूप से डेमो चेक प्रदान कर लाभान्वित किया गया। मिनीमाता महतारी जतन योजना के तहत कुल 4 लाख 80 हजार रुपये तथा मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना के तहत 1 लाख रुपये की सहायता राशि के डेमो चेक वितरित किए गए।

झिटकापारा व्यपवर्तन योजना के कार्यों के लिए 4.67 करोड़ रुपये स्वीकृत

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग द्वारा, कांकेर जिले के विकासखण्ड दुर्गकोंदल के झिटकापारा व्यपवर्तन योजना के जीर्णोद्धार एवं नहर लाईनिंग कार्य तथा स्ट्रक्चर निर्माण कार्य हेतु 4 करोड़ 67 लाख 57 हजार रुपये स्वीकृत किये गये हैं। योजना के स्वीकृत कार्यों के पूरा हो जाने पर क्षेत्रीय किसानों को कुल 364 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा मिलेगी। योजना के कार्यों को पूरा कराने के लिए मुख्य-अभियंता गोदावरी कछार जल संसाधन विभाग जगदलपुर को प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है।

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में दर्ज पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति भुगतान संबंधी शिकायत का एक सप्ताह के भीतर हुआ निराकरण

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के सुशासन एवं जनसमस्याओं के त्वरित समाधान के संकल्प के अनुरूप मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 में प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है। इसी क्रम में जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के मनेंद्रगढ़ निवासी साकेत जलतारे द्वारा पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के भुगतान से संबंधित शिकायत मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में दर्ज कराई गई थी। शिकायत प्राप्त होने के पश्चात प्रकरण को संबंधित आदिम जाति विकास विभाग को प्रेषित किया गया। विभाग द्वारा मामले का परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करते हुए एक सप्ताह के भीतर शिकायत का निराकरण कर दिया गया। त्वरित कार्रवाई के परिणामस्वरूप हितग्राही की छात्रवृत्ति भुगतान संबंधी समस्या का समाधान सुनिश्चित हुआ। शिकायत के निराकरण उपरांत मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के माध्यम से हितग्राही से फीडबैक प्राप्त किया गया। इस दौरान साकेत जलतारे ने बताया कि उनकी समस्या का समाधान हो चुका है तथा वे विभाग द्वारा किए गए निराकरण से संतुष्ट हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के माध्यम से उनकी समस्या के शीघ्र समाधान पर प्रसन्नता व्यक्त की। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 आम नागरिकों की समस्याओं के समाधान का एक प्रभावी मंच है, जिसके माध्यम से प्राप्त शिकायतों का गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ निराकरण किया जा रहा है। जिला प्रशासन द्वारा सभी विभागों को शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निराकरण के निर्देश दिए गए हैं, जिससे आमजन को त्वरित राहत मिल सके तथा शासन के प्रति विश्वास और अधिक मजबूत हो।

नाबार्ड का जिला विकास प्रबंधक कार्यालय जशपुर में प्रारंभ, किसानों को मिलेगी स्थानीय स्तर पर बेहतर सुविधा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के जिला विकास प्रबंधक के स्वतंत्र कार्यालय का शुभारंभ बुधवार को जशपुर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिषेक कुमार ने किया। स्वतंत्र कार्यालय की स्थापना से अब जशपुर जिले के किसानों एवं ग्रामीण हितग्राहियों को नाबार्ड से संबंधित सेवाएं और मार्गदर्शन स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध हो सकेगा। अब तक जशपुर जिले में नाबार्ड के सभी कार्य रायगढ़ स्थित जिला विकास प्रबंधक कार्यालय के माध्यम से संचालित किए जाते थे। स्वतंत्र कार्यालय शुरू होने से योजनाओं के क्रियान्वयन, समन्वय और हितग्राहियों तक पहुंच में और अधिक प्रभावशीलता आएगी। कार्यक्रम में अग्रणी जिला प्रबंधक, ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान के निदेशक, विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि, कृषि विज्ञान केंद्र के अधिकारी, विभिन्न विभागों के अधिकारी, किसान हितग्राही तथा स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। नाबार्ड के छत्तीसगढ़ क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर के वरिष्ठ अधिकारी बृजेन्द्र समांतराय ने भी कार्यक्रम में भाग लिया और लाभार्थी किसानों से संवाद कर योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली।

बैंक एवं मुद्रा लिंकेज मेले में स्व-सहायता समूहों को 2.43 करोड़ रुपए से अधिक की ऋण स्वीकृति

200 महिलाओं ने लिया भाग, स्वरोजगार एवं आजीविका संवर्धन को मिलेगा बढ़ावा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) अंतर्गत जशपुर जिले के जनपद पंचायत मनोरा में बैंक लिंकेज एवं मुद्रा लिंकेज मेले का आयोजन किया गया। मेले में विकासखंड के विभिन्न बैंकों द्वारा स्व-सहायता समूहों एवं महिला उद्यमियों को ऋण स्वीकृति एवं वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान 64 मुद्रा ऋण प्रकरणों में कुल 56 लाख 40 हजार रुपए तथा 75 स्व-सहायता समूहों को बैंक लिंकेज के माध्यम से 1 करोड़ 87 लाख 50 हजार रुपए के ऋण की स्वीकृति एवं वितरण किया गया। इस प्रकार कुल 2 करोड़ 43 लाख 90 हजार रुपए की ऋण सहायता उपलब्ध कराई गई। मेले में विकासखंड मनोरा की लगभग 200 स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने भाग लिया। इस अवसर पर महिलाओं को स्वरोजगार, उद्यमिता विकास तथा वित्तीय समावेशन से संबंधित जानकारी भी प्रदान की गई। बैंकिंग सेवाओं तक आसान पहुंच सुनिश्चित करने और महिला समूहों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में यह आयोजन महत्वपूर्ण साबित हुआ।

कार्यक्रम में जनपद सदस्य श्री रंजीत भगत, श्री अमीन खान, श्री राकेश तिवारी, श्री रघुनाथ राम, जनपद पंचायत मनोरा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री रवि बघेल, श्री बिन्सेंट तिर्की, विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में स्व-सहायता समूहों की महिलाएं उपस्थित थीं। सभी के सहयोग से कार्यक्रम का सफल आयोजन संपन्न हुआ।

समय पर खाद-बीज ने बदली खेती की तस्वीर

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के लालपुर गांव के प्रगतिशील किसान विष्णु राठौर की खेती आज आसपास के किसानों के लिए प्रेरणा बन गई है। कभी समय पर खाद और बीज नहीं मिलने से खेती प्रभावित होती थी, लेकिन अब सहकारी समिति से उन्नत बीज, डीएपी, रासायनिक खाद और नैनो यूरिया समय पर एवं पर्याप्त मात्रा में मिलने से उनका खेती पर भरोसा और मजबूत हुआ है। विष्णु राठौर धान की खेती के साथ विभिन्न प्रकार की सब्जियों का उत्पादन भी करते हैं। उनका कहना है कि समय पर कृषि आदान मिलने से बुआई, फसल प्रबंधन और पोषण संबंधी कार्य व्यवस्थित ढंग से हो रहे हैं। नैनो यूरिया और संतुलित उर्वरकों के उपयोग से फसलों की बढ़वार बेहतर हुई है, उत्पादन बढ़ा है और सब्जियों की गुणवत्ता में भी उल्लेखनीय सुधार आया है। वे बताते हैं कि पहले आवश्यक कृषि सामग्री के लिए इधर-उधर भटकना पड़ता था, जबकि अब सहकारी समिति के माध्यम से सभी जरूरी संसाधन आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं। शासन की किसान हितैषी पहल और सहकारी व्यवस्था ने खेती को अधिक सुविधाजनक बनाया है।

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन की शिकायत पर कृषि विभाग की बड़ी कार्रवाई

अधिक कीमत पर खाद बेचने वाले विक्रय केंद्र पर छापा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार किसानों को निर्धारित दर पर खाद-बीज उपलब्ध कराने और कालाबाजारी पर प्रभावी नियंत्रण के लिए राज्य सरकार लगातार सख्त कदम उठा रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 में प्राप्त शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए सरगुजा जिले में कृषि विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। अंबिकापुर के नेहरूनगर (डीगमा) स्थित एक उर्वरक विक्रय केंद्र पर औचक निरीक्षण कर 3219 बोरी उर्वरक जब्त किए गए हैं तथा विक्रय केंद्र को सील कर दिया गया है प्राप्त जानकारी के अनुसार एक कृषक ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 में शिकायत दर्ज कराई थी कि नेहरूनगर (डीगमा) स्थित मेसर्स सरगुजा कृषि राय केंद्र द्वारा निर्धारित दर से अधिक मूल्य पर उर्वरकों का विक्रय किया जा रहा है। शिकायत प्राप्त होते ही कृषि विभाग ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल जांच प्रारंभ की। जांच के दौरान शिकायतकर्ता किसान के बयान एवं ऑनलाइन भुगतान से संबंधित डिजिटल साक्ष्यों का परीक्षण किया गया।

दिव्यांगजनों के लिए वरदान साबित हुआ बगीचा का विशेष शिविर

368 हितग्राही हुए लाभान्वित प्रमाणीकरण

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। जशपुर जिले के बगीचा विकासखंड में दिव्यांगजनों की सुविधाओं को आसान और सुलभ बनाने के उद्देश्य से 24 जून 2026 को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बगीचा में दिव्यांग प्रमाणीकरण एवं यूडीआईडी कार्ड शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में दिव्यांगजन पहुंचे और विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ प्राप्त किया। शिविर के दौरान कुल 368 दिव्यांगजनों को लाभान्वित किया गया। यहां दिव्यांगता प्रमाण पत्र तथा यूडीआईडी कार्ड के नवनिर्माण एवं नवीनीकरण की प्रक्रिया संपन्न की गई। साथ ही दिव्यांग पेंशन, सहायक उपकरण प्रदाय तथा दिव्यांग ऋण योजनाओं के लिए पात्र हितग्राहियों से आवेदन भी प्राप्त किए गए।

शिविर में ग्राम रौनी रोड कुरुमकेला, बगीचा की 88 वर्षीय श्रीमती सालो देवी को श्रवण यंत्र प्रदान किया गया, जिससे उन्हें सुनने में होने वाली कठिनाइयों से राहत मिलेगी। इसके अलावा दो दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग संबंधी जानकारी एवं मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया। शिविर में 192 दिव्यांगजनों का यूडीआईडी कार्ड के लिए चिन्हांकन एवं पंजीयन किया गया, जबकि लगभग 50 दिव्यांगजनों ने दिव्यांग पेंशन और दिव्यांग ऋण योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. दीपदेव कश्यप, उप संचालक समाज कल्याण श्री धर्मेंद्र कुमार साहू, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत बगीचा सहित समाज कल्याण विभाग एवं जनपद पंचायत बगीचा के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

शिविर के सफल आयोजन से दिव्यांगजनों को एक ही स्थान पर प्रमाणीकरण, पहचान पत्र एवं विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी और लाभ प्राप्त हुआ, जिससे शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित हुआ।

नीति आयोग के केंद्रीय प्रभारी अधिकारी श्री पी. नरहरि ने कोंडागांव में किसानों और बिहान की महिलाओं से किया संवाद

आधुनिक खेती, पशुपालन और महिला स्वरोजगार पर दिया विशेष जोर

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। नीति आयोग भारत सरकार के केंद्रीय प्रभारी अधिकारी श्री पी. नरहरि ने कोण्डागांव जिले के दो दिवसीय प्रवास के पहले दिन बुधवार को विभिन्न विकास योजनाओं का जमीनी स्तर पर निरीक्षण किया। उन्होंने किसानों, बिहान (राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन) की महिलाओं और शिक्षा व्यवस्था से जुड़े कार्यक्रमों की समीक्षा की तथा अधिकारियों को बेहतर क्रियान्वयन के निर्देश दिए। श्री नरहरि सबसे पहले कोण्डागांव विकासखंड के ग्राम मसौरा पहुंचे, जहां उन्होंने किसान श्री जितेन्द्र दीवान के खेत में ड्रिप सिंचाई और मल्चिंग पद्धति से की जा रही सब्जी उत्पादन की जानकारी ली। किसान ने बताया कि आधुनिक तकनीकों के उपयोग से उत्पादन और आय दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इस पर श्री नरहरि ने जिला प्रशासन को निर्देश देते हुए कहा कि किसानों को राज्य से बाहर एक्सपोजर विजिट कराई जाएं और उन्हें अपने उत्पादों के लिए सीधे खरीदारों से जोड़ा जाए, ताकि बिचौलियों की भूमिका कम हो और किसानों को उचित लाभ मिल सके। इसके बाद श्री नरहरि आरसेटी पहुंचे, जहां बिहान मिशन के अंतर्गत पशु सखियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने स्व-सहायता समूह की महिलाओं से संवाद किया और उन्हें प्रशिक्षण का अधिकतम लाभ उठाते हुए स्वरोजगार एवं आय वृद्धि की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने आरसेटी अधिकारियों को निर्देश दिया कि पूरे वर्ष का प्रशिक्षण कैलेंडर तैयार किया जाए और इसे अधिक से अधिक ग्रामीणों तक पहुंचाया जाए। श्री नरहरि ने चाइल्ड हेल्पलाइन एवं एचआरपी सेंटर का भी निरीक्षण किया। उन्होंने उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं और बच्चों को दी जा रही सेवाओं की जानकारी ली तथा केंद्र के प्रभावी संचालन और गुणवत्ता बनाए रखने के सख्त निर्देश दिए। दौरे के दौरान उन्होंने एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, शामपुर का भी निरीक्षण किया। विद्यार्थियों और शिक्षकों से चर्चा करते हुए उन्होंने शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी ली। शिक्षकों को निर्देश दिए कि शासन द्वारा उपलब्ध सुविधाओं का समुचित उपयोग करते हुए आदिवासी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करें, ताकि वे शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन कर सकें। इस दौरान कलेक्टर श्रीमती नुपूर राशि पन्ना, जिला पंचायत सीईओ श्री अविनाश भोई, अपर कलेक्टर श्री चित्रकांत चार्ली ठाकुर, एसडीएम श्री अजय उरांव, तहसीलदार श्री मनोज रावटे, डिप्टी कलेक्टर श्री किशोर शर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय की त्वरित पहल से ग्राम बोड़ालाता में बहाल हुई बिजली व्यवस्था

खराब ट्रांसफार्मर बदला गया, ग्रामीणों को मिली बड़ी राहत

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में संचालित मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान का प्रभावी माध्यम बनकर उभर रहा है। इसी क्रम में जशपुर जिले के विकासखंड कुनकुरी अंतर्गत ग्राम पंचायत दाराखरिका के आश्रित ग्राम बोड़ालाता में लंबे समय से बाधित विद्युत आपूर्ति को पुनः बहाल कर ग्रामीणों को बड़ी राहत प्रदान की गई है। जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत दाराखरिका के सरपंच ने मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत कर बताया था कि ग्राम बोड़ालाता में स्थापित ट्रांसफार्मर खराब हो जाने के कारण पूरे गांव की विद्युत आपूर्ति ठप हो गई है। बिजली नहीं होने से ग्रामीणों को दैनिक कार्यों में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा